राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार ,24 अगस्त-2021 वर्ष-4,अंक-212 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय सेना के नए ब्रांचों में 5 महिला अधिकारी बनीं कर्नल

नई दिल्ली । भारतीय सेना में पहली बार महिला अधिकारी लीगल और एजुकेशन ब्रांच के अलावा दूसरी ब्रांच में भी कर्नल बनेंगी। सेना के प्रमोशन बोर्ड ने पांच महिला अधिकारियों को कर्नल रैंक पर पदोन्नति का रास्ता साफ कर दिया है। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। कर्नल टाइम स्केल रैंक के लिए चुनी 5 महिला अधिकारियों में कोर ऑफ सिग्नल से लेफ्टिनेंट कर्नल संगीता सरदाना, ईएमई कोर से लेफ्टिनेंट कर्नल सोनिया आनंद और लेफ्टिनेंट कर्नल नवनीत दुग्गल और कोर ऑफ इंजीनियर्स से लेफ्टिनेंट कर्नल रीनू खन्ना और लेफ्टिनेंट कर्नल रिचा सागर शामिल हैं।सेना में कर्नल बनने से पहले किसी भी अधिकारी को जूनियर कमांड कोर्स करना जरूरी है। इसके बिना उनका सिलेक्शन नहीं हो सकता। कुछ महिला अधिकारियों ने यह कोर्स पहले किया है। भारतीय सेना में अभी तक महिला अधिकारी दो ब्रांचों में ही कर्नल बनती थीं। एक लीगल ब्रांच (जज एंड एडवोकेट जनरल) और दूसरा एजुकेशन कोर में ही कर्नल या इससे ऊपर रैंक तक पहुंच सकती थी। इन्हीं दो ब्रांच में महिला अधिकारियों के लिए परमानेंट कमिशन था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद महिला अधिकारी उन सभी ब्रांच में परमानेंट कमिशन पा सकती हैं, जिनमें वह शॉर्ट सर्विस कमिशन के तहत आई हैं। पहली बार महिला अधिकारी लीगल ब्रांच (जज एंड एडवोकेट जनरल) और एजुकेशन कोर के अलावा अन्य ब्रांच में भी कर्नल या इससे ऊपर रैंक तक पहुंच सकती है।कोर ऑफ सिग्नल से एक महिला अधिकारी कर्नल बनी हैं। वहीं, ईएमई कोर से दो महिला अधिकारियों की पदोन्नति हुई है और कोर ऑफ इंजीनियर्स से भी दो महिला अधिकारी इस रैंक पर पहुंची हैं।

भक्तों के लिए खुला जगन्नाथ मंदिर, पुलिस ने मांगी श्रद्धालुओं से प्रतिक्रिया

पुरी। पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर करीब चार माह बंद रहने के बाद सोमवार से फिर खुल रहा है। एक दिन पहले, रविवार को पुलिस ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया था कि वे मंदिर जाने के अपने अनुभव को पुलिस के साथ साझा करें। पुलिस ने बताया कि श्रद्धालु मंदिर में पुलिस को अपने अनुभवों के बारे में बता सकते हैं, इसके लिए उन्हें एक फॉर्म भरना होगा। वे ऑनलाइन 'क्यूआर कोड' के जरिए भी अपनी प्रतिक्रिया कर सकते हैं। पुरी पुलिस ने ट्वीट किया हमारा अनुरोध है कि अपने अनुभव हमारे साथ साझा कीजिए, ताकि श्रद्धालुओं के लिए मंदिर में दर्शन के अनुभव को और बेहतर एवं सुगम बनाया जा सके। कोविड-19 वैश्विक महामारी की दूसरी लहर के कारण 12वीं सदी के इस मंदिर को जनता के लिए 24 अप्रैल को बंद कर दिया गया था। श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश करने के लिए पूर्ण-टीकाकरण प्रमाण-पत्र या संक्रमित नहीं होने की पुष्टि करने वाली कोरोना जांच दिखानी होगी।

पहला कॉलम

चीन को ताकत दिखाने की तैयारी, आईएनएस विराट भी रहेगा मौजूद

नई दिल्ली। भारत सहित क्वाड देशों अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान का 4 दिवसीय नौसैनिक युद्धाभ्यास 26 से 29 अगस्त के बीच गुआम तट पर होगा। यह हाई वोल्टेज युद्धाभ्यास हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की सैन्य गतिविधियों में तेजी को देखते हुए वैश्विक चिंता के बीच किया जा रहा है। भारतीय नौसेना के अधिकारी विवेक माधवाल का कहना है कि इस युद्धाभ्यास में भारत के आईएनएस विराट और पनडुब्बी रोधी युद्धपोत आईएनएस कदमत अमेरिकी तट पर शनिवार को ही पहुंच चुके हैं, जहां जटिल अभ्यास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह युद्धाभ्यास 4 देशों के बीच साझेदारी के मजबूत होने का परिचायक है। बताया जाता है कि इन देशों के बीच सहयोग को और विस्तार देने की संभावना तलाशने के लिए अगले दो तीन महीनों में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के क्वाड देशों के नेताओं के साथ वाशिंगटन में व्यक्तिगत रूप से बैठक करने के आसार हैं।

पीएम मोदी ने नारायण गुरु को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारायण गुरु को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी है। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा मैं श्री नारायण गुरु को उनकी जयंती पर नमन करता हूं। उनकी शिक्षा लाखों लोगों को शक्ति प्रदान करती हैं। ज्ञान प्राप्त करने, सामाजिक सुधार और समानता पर उनका जोर हमें हमेशा प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन के लिए युवा शक्ति के उपयोग को अत्यधिक महत्व दिया।

लोकगीत हमारी विरासत के अहम हिस्से, ये विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के प्रतीकः नायडू

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने बेंगलूरू के राजभवन में समाज में लोककथाओं के महत्व पर एक कार्यक्रम को वर्चुअल तरीके संबोधित किया। उन्होंने कहा, लोकगीत हमारी विरासत के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक हैं। ये सही मायने में लोक साहित्य है। नायडू ने कहा कि भारत का महान इतिहास है। यह लोक और समग्र परंपराओं की समृद्ध विविधता है। देश के प्रत्येक भाग में लोक परंपराओं के अपने समृद्ध हस्ताक्षर हैं। लोकगीत भारत में विविधता और बहुसंस्कृतिवाद की सच्ची भावना के प्रतीक हैं।

भारत में कोविड-19 टीकाकरण का कुल आंकड़ा 58.25 करोड़ के पार पहुंचा

नई दिल्ली। भारत में कोविड-19 टीकाकरण का कुल आंकड़ा आज सुबह आठ बजे तक प्राप्त अस्थायी रिपोर्ट के अनुसार 58.25 करोड़ (58,25,49,595) के पार पहुंच गया है। टीकाकरण का यह लक्ष्य 64,69,22 सत्रों के माध्यम से प्राप्त किया है। पिछले 24 घंटों में 44,157 कोरोना संक्रमित रोगियों के स्वस्थ होने के साथ ही कुल ठीक होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की संख्या बढ़कर 3,16,80,626 हो गई है। स्वस्थ होने की दर 97.63 प्रतिशत पर पहुंची गई है, जो मार्च 2020 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर है। केंद्र और राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के निरंतर एवं सहयोगपूर्ण प्रयासों के परिणामस्वरुप पिछले 57 दिनों से लगातार 50,000 से कम नए दैनिक मामले दर्ज किए हैं। भारत में पिछले 24 घंटों में 25,072 दैनिक नए मामले दर्ज किए गए हैं। कोरोना संक्रमित मरीजों के तेजी से स्वस्थ होने और नए रोगियों की संख्या में कमी ने सक्रिय मामलों को 3,33,924 तक कम कर दिया है जो कि 155 दिनों में सबसे न्यूनतम है। सक्रिय मामले वर्तमान में देश के कुल पॉजिटिव मामलों का केवल 1.03 प्रतिशत हैं, जो मार्च 2020 के बाद सबसे कम है। देश भर में कोविड जांच क्षमता लगातार उल्लेखनीय रूप से बढ़ रही है। देश में पिछले 24 घंटों में 12,95,160 नमूनों की जांच की गई। कुल मिला कर भारत में अब तक 50.75 करोड़ से अधिक (50,75,51,399) जांच की जा चुकी हैं। एक तरफ जहां, कोविड जांच क्षमता देश भर बढ़ा दी गई है, वहीं साप्ताहिक पॉजिटिविटी दर वर्तमान में 1.91 प्रतिशत से नीचे, पिछले 59 दिनों से 3 प्रतिशत से कम बनी हुई है। दैनिक पॉजिटिविटी दर फिलहाल 1.94 प्रतिशत है। पिछले 28 दिनों से दैनिक पॉजिटिविटी दर 3 प्रतिशत से नीचे और लगातार 77 दिनों से 5 प्रतिशत से नीचे बनी हुई है।

अमित शाह बोले-दबे, कुचले और पिछड़ों ने अपना एक हितचिंतक गंवाया

पंचतत्व में विलीन हुए कल्याण सिंह

बुलन्दशहर।

राम मंदिर आंदोलन के प्रणेता यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह पंचतत्व में विलीन हो गए। उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ बुलंदशहर जनपद के नरौरा में गंगा तट पर बासी घाट पर किया गया। उनके सांसद पुत्र राजवीर ने मुखाग्नि दी। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को अलीगढ़ के अतरौली पहुंचकर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शुमार किए जाने वाले कल्याण सिंह के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनके निधन से दबे, कुचले और पिछड़ों ने अपना एक हितचिंतक गंवाया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज अलीगढ़ के अतरौली स्थित लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह में पहुंचे जहां कल्याण का पार्थिव शरीर रखा गया है। शाह ने उनके अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि आज मैं कल्याण सिंह के अंतिम दर्शन के लिए आया हूं। कल्याण सिंह का इस दुनिया से जाना भाजपा की बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा कि उनके (कल्याण) जाने के साथ ही भाजपा ने अपना एक दिग्गज और हमेशा संघर्षरत रहने वाला नेता खोया है। देश भर के दबे कुचले और पिछड़ों तथा विशेषकर उप्र के दबे कुचले पिछड़ों ने अपना एक हित चिंतक गंवाया है। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन के कल्याण सिंह बड़े नेता रहे और राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए सत्ता त्याग करने में तनिक भर भी उन्होंने नहीं सोचा। पुरानी स्मृतियों को ताजा करते हुए उन्होंने कहा कि जब राम जन्मभूमि का शिलान्यास हुआ तो उसी दिन बाबूजी से बात हुई तो बड़े हर्ष और संतोष से उन्होंने बताया कि आज मेरे जीवन का लक्ष्य पूरा हुआ। उनका पूरा जीवन विकास और उप्र के लोगों को लिए समर्पित रहा। उप्र को अच्छा प्रदेश बनाने के लिए वह कार्यरत रहे। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इतने बड़े गरीब तबके से उठकर इतना बड़ा नेता बनना, विचारधारा के लिए संघर्ष करना, समाज के लिए समर्पित रहना, यह सब हम सब भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा की चीजें रहेंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के अंदर एक बड़ी रिक्तता निर्मित हुई है और इसे लंबे समय तक भर पाना मुश्किल होगा। आज काफी समय से सक्रिय राजनीति में न रहते हुए भी जिस प्रकार जनसैलाब बाबूजी को श्रद्धांजलि देने आया, विशेषकर युवाओं को देख रहा हूं, वह यही साबित करता है कि उप्र के सार्वजनिक जीवन पर उन्होंने एक गहरी छाप छोड़ी है। हम हृदय से गहरी श्रद्धांजलि देते हैं और वादा करते हैं गरीबों, पिछड़ों और दबे कुचलों के लिए संघर्षरत रहेंगे, इतना ही कह सकता हूं। वहीं केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह ने कहा कि राजनीति में ऐसे सच्चे नेता विरले होते हैं, जिन्हें जनसमर्थन प्राप्त होता हैं और उनके प्रति सच्ची श्रद्धा है। इस दौरान उप्र के राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह भी मौजूद थे।

अफगानिस्तान संकट पर मोदी सरकार ने बुलाई सर्वदलीय मीटिंग

नई दिल्ली।

अफगानिस्तान में पैदा हुए संकट पर बातचीत के लिए केंद्र सरकार ने 26 अगस्त को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस मीटिंग में अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए सरकार की ओर से किए गए प्रयासों की जानकारी विपक्षी दलों को दी जाएगी। इसके अलावा अफगानिस्तान में तालिबान राज के बाद भारत सरकार क्या कूटनीतिक कदम उठा रही है, इस पर भी चर्चा होने की संभावना है। यह बैठक 26 अगस्त को सुबह 11 बजे होगी। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने विदेश मंत्रालय से कहा था कि वह अफगानिस्तान में हुए घटनाक्रम की जानकारी संसद में राजनीतिक दलों के नेताओं को दे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस बारे में ट्वीट कर बताया था, 'अफगानिस्तान में घटनाक्रम के मद्देनजर पीएम नरेंद्र मोदी ने आदेश दिया है कि संसद में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को पूरी जानकारी दी जाए। इस संबंध में आगे की जानकारी संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी देंगे।' माना जा रहा है कि इस मीटिंग में सरकार सभी राजनीतिक दलों को अफगानिस्तान में हुए घटनाक्रम की जानकारी देगी। इसके अलावा अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं, इस बारे में भी बताया जाएगा। बीते कुछ सप्ताह में तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा जमा लिया है। राजधानी काबुल समेत देश के कई प्रांतों पर तालिबान ने कब्जा जमा लिया है।

महबूबा की तालिबान से जुड़ी टिप्पणी भारत विरोधी और बेतुकीः अनुराग ठाकुर

हमीरपुर ।

केंद्रीयमंत्री अनुराग ठाकुर ने पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के उस बयान को 'भारत विरोधी' और 'बेतुका' करार दिया है, जिसमें उन्होंने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल करने की मांग करते हुए अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जे का हवाला दिया था। अनुराग ठाकुर ने कहा कि पीडीपी और उसके सहयोगी सत्ता से बाहर होने और अगस्त, 2019 में अनुच्छेद 370 हटाये के कारण परेशान हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भाजपा की सरकार में विकास की ओर अग्रसर हैं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा ने शनिवार को कहा था कि केंद्र सरकार को अफगानिस्तान से सबक लेना चाहिए जहां तालिबान ने सत्ता पर कब्जा कर लिया और अमेरिका को भागने पर मजबूर कर दिया। महबूबा मुफ्ती ने साथ ही सरकार से जम्मू-कश्मीर में बातचीत करने और 2019 में रद्द किए गए विशेष दर्जे को वापस करने का आग्रह किया। अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा सत्ता पर कब्जा करने का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार को परीक्षा नहीं लेने की चेतावनी दी थी। अनुराग ठाकुर ने महबूबा के बयान को 'भारत विरोधी' और 'बेतुका' करार दिया। उन्होंने कहा कि पीडीपी और उसके साथियों को समझना चाहिए कि अतीत में जो हुआ वह अब नहीं दोहराया जाएगा और दोनों केंद्र-शासित प्रदेश अब विकास के रास्ते पर चल पड़े हैं।

अफगान राजदूत ने की भारत की तारीफ

संकट में मेरे देश की सहानुभूति व समर्थन सराहनीय

इंटरनेशनल डेस्कः भारत में अफगानिस्तान के राजदूत फरीद ममुंडजे ने तालिबान के कब्जे के बाद पिछले कुछ हफ्तों में अफगानों की पीड़ा पर सभी भारतीय मित्रों और नई दिल्ली में राजनयिक मिशनों से सहानुभूति और समर्थन मिलने पर तारीफ की है। उन्होंने ट्वीट कर भारत के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा- मैं पिछले कुछ हफ्तों, विशेषकर पिछले 7-8 दिनों में अफगानों की पीड़ा पर सभी भारतीय मित्रों और नई दिल्ली में राजनयिक मिशनों से सहानुभूति और समर्थन संदेशों की सराहना करता हूं। अफगानिस्तान की समस्या मानव निर्मित है और सभी सभ्य समाज के लोग इसे लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा युद्धग्रस्त देश में मानवीय संकट खड़ा हो गया है। दमनकारी तालिबान शासन परिवर्तन ने कई अफगानों और अन्य देशों के नागरिक देश से भागने के लिए मजबूर हैं। अफगानिस्तान एक कठिन समय से गुजर रहा है, और केवल अच्छे नेतृत्व, दयालु रवैये और अफगान लोगों को अंतरराष्ट्रीय समर्थन ही इन दुखों को कुछ हद तक समाप्त कर सकता है। बता दें कि अफगानिस्तान के अधिकांश हिस्सों पर तालिबान द्वारा कब्जा किए जाने के बाद भारत ने रविवार को काबुल से लगभग 400 लोगों को निकाला। आतंकवादी समूह तलिबान ने 15 अगस्त को काबुल पर कब्जा कर लिया था जिसके बाद से राष्ट्रपति अशरफ गनी देश छोड़कर भाग गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 20 साल बाद तालिबान के कब्जे वाले देश से भागने के लिए काबुल एयरपोर्ट पर लोगों में अफरा-तफरी मची हुई है।

संघ कार्यकर्ताओं ने सैकड़ों बहनों से बंधवाई राखी, मनाया रक्षा बंधन

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने रक्षाबंधन के पवित्र अवसर पर समरसता और पारस्परिक सद्भाव का परिचय देते हुए सैकडों बहनों से राखी बंधवाई। आरएसएस के स्वयं सेवक करनैल सिंह जोगी ने शालीमार बाग सेवा बस्ती में जाति, धर्म और समाज के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी वर्गों से जुड़ी सैकड़ों बहनों के साथ रक्षा बंधन का त्योहार मनाया। इस कार्यक्रम के आयोजन से जुड़े शिव कृपा सत्संग मंडल संघ के एक प्रतिनिधि ने कहा कि रक्षाबंधन, भारतीय संस्कृति और परंपराओं के उत्सव के रूप में समाज के सभी वर्गों की बहनों द्वारा स्वयं सेवक करनैल सिंह जोगी को पवित्र राखी बांधने के साथ समरसता, एकता और सद्भाव के पवित्र उत्सव का साक्षी बनना वास्तव में एक महान क्षण था और हम इस कार्यक्रम के आयोजन में भाग लेकर बहुत खुश हैं। करनैल सिंह जोगी ने कहा इतने बड़े अवसर का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है। विशेष रूप से समाज के सभी वर्गों की मेरी बहनों के बीच आना। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मेरी बहनें अमीर हैं या गरीब या वे किस जाति या स्थान से हैं। मेरे लिए, यह अधिक महत्वपूर्ण है कि वे उस जगह का हिस्सा हैं, जहां मैं हूं और यह एक ऐसा सौभाग्य है, जिसे आप राखी बांधना जानते हैं। मैं इस पल को कभी नहीं भूल पाऊंगा। मैं आने वाले दिनों में इस महान कार्य को जारी रखूंगा और अपनी बहनों के लिए जितना संभव हो सकेगा करूंगा। उनके सगे भाई की तरह किसी भी समय हर सभवः मदद के लिए तैयार रहूंगा। जब भी उन्हें जरूरत होती है, मैं उनके साथ रहूंगा। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में ऐसे कई समरस्ता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें करनैल सिंह जोगी ने शोभा बढ़ाई और एकता, सद्भाव और एकजुटता का संदेश दिया।

बीते 24 घंटे में भारत ने 400 लोगों को अफगानिस्तान से सुरक्षित निकाला

नेपाल और लेबनान के नागरिक भी इसमें शामिल

नई दिल्ली।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद विभिन्न देशों के द्वारा अपने लोगों को निकलना लगातार जारी है। भारत द्वारा अपने नागरिकों को निकाला जा रहा है, वायुसेना के साथ-साथ प्राइवेट एयरलाइंस को भी मिशन पर अब लगा दिया गया है। बीते 24 घंटे में भारत द्वारा करीब 400 लोगों को अफगानिस्तान से सुरक्षित निकलकर दिल्ली लाया गया। खास बात ये है कि भारत सिर्फ अपने नागरिकों को ही नहीं बल्कि पड़ोसी देशों के लोगों को भी निकाल रहा है। नेपाल, लेबनान के नागरिकों को भारत ने सुरक्षित निकाला है। वहीं श्रीलंका ने भी मोदी सरकार से मदद की गुहार लगाई है। रविवार को भारत ने कुल 392 लोगों को अफगानिस्तान से सुरक्षित निकलकर लाया गया। काबुल एयरपोर्ट से दोहा होते हुए सभी नागरिकों को हिंडन एयरबेस पर लाया गया। भारत द्वारा अफगानिस्तान और पाकिस्तान के एयरस्पेस का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है,इसकारण कतर के दोहा से लंबा रूट लेकर लोगों को वापस लाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक,24 घंटे में जिन 392 लोगों को लाया गया। उसमें से 168 लोगों को वायुसेना के विमान से लाया गया, करीब 87 लोगों को एयर इंडिया के विमान से लाया गया। दो नेपाली नागरिकों को भी एयर इंडिया के विमान से लाया गया था, जबकि करीब 23 अफगानी हिन्दू-सिखों को वायुसेना के विमान से वापस लाया गया था। काबुल एयरपोर्ट अभी अमेरिका और नाटो देशों की सेनाओं के कंट्रोल में है,इसके बाद भारत सभी से संपर्क बनाकर इस मिशन को ऑपरेट कर रहा है।मुख्य तौर पर कतर और ताजिकिस्तान भी इस मिशन में अहम रोल निभा रहे हैं, क्योंकि कुछ लोगों के लिए दोहा का रूट,तब कुछ के लिए दुशान्बे का रूट अपनाया जा रहा है. लेबनान के विदेश मंत्रालय द्वारा भारत का शुक्रिया भी अदा किया गया है। अफगानिस्तान की कंपनी में काम करने वाले लेबनानी नागरिक मोहम्मद खेत्ताब को

भारतीय दल द्वारा सुरक्षित निकाला गया है। सोमवार को भी करीब 146 लोगों को दिल्ली लाया गया है, इसके अलावा लगातार भारत के द्वारा अब लोगों को निकालने का मिशन जारी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

गुजर गया वह छोटा ग्रह

वह छोटा ग्रह पृथ्वी के पास से गुजर गया, जिसे खतरनाक माना जा रहा था। वैसे तो वैज्ञानिकों को यह पता था कि यह मध्य आकार का छोटा ग्रह 21 अगस्त को पृथ्वी के कुछ करीब से गुजरेगा, लेकिन अफवाहों के कारण आशंकाओं का बाजार खड़ा करने वाले भी कम नहीं थे। कुछ का कहना था कि यह छोटा ग्रह सुबह के समय टकराएगा, तो कुछ ने कहा देर रात, लेकिन जब यह करीब से गुजरा, तो भारत में घड़ी रात के करीब आठ बजकर 40 मिनट बजा रही थी। अफवाह का बाजार गर्म करने वाले इसके गुजर जाने पर ज्यादातर चुप लगा गए, क्योंकि यह खगोलीय घटना गंभीर तो थी, लेकिन इससे ज्यादा खतरे की गुंजाइश नहीं थी। यह 2016 एजे193 नाम का ग्रह पृथ्वी के करीब 34 लाख 27 हजार 445 किलोमीटर पास से गुजरा है और 94 हजार किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार बढ़ा जा रहा है। 1.4 किलोमीटर व्यास के आकार वाले इस छोटे ग्रह को खगोलविद 24 अगस्त तक ज्यादा टकटकी लगाए देखेंगे। पृथ्वी के करीब से गुजरने के लिहाज से नासा ने इसे अगर संभावित खतरा घोषित किया था, तो यह एक तरह से खगोलविदों केशोध-अध्ययन की कमी ही थी। धरती की ओर बढ़ती और धरती के पास से गुजरती हर चीज खतरनाक नहीं होती, लेकिन इंसानों के मन में जो भय है, उसका कोई इलाज नहीं। चूंकि हमने पृथ्वी और वायुमंडल के साथ ज्यादातर खिलवाड़ ही किया है, इसलिए हममें से ज्यादातर लोगों को भय सताता है कि पृथ्वी या सृष्टि हमसे बदला लेगी। खत्म हो जाने का भय सबसे बड़ा है और जिसका कोई पुख्ता उपाय विज्ञान के पास भी नहीं है। नासा को बहुत सोच-समझकर ही ऐसी आशंकाओं का इजहार करना चाहिए। मामूली आशंकाओं के आधार पर चेतावनी जारी करके सबको चिंता में डालने की नौबत नहीं आनी चाहिए। नासा ने इसे अपोलो श्रेणी के ऐसे छोटे ग्रह के रूप में वर्गीकृत कर रखा है, जिसके पृथ्वी की कक्षा से टकराने की आशंका है। कक्षा से टकराने या कक्षा से गुजरने का कतई यह मतलब नहीं कि यह छोटा ग्रह पृथ्वी से टकराने वाला था। यह तो पृथ्वी की कक्षा के उस क्षेत्र से गुजरा है, जहां मानव निर्मित कोई उपग्रह या सैटेलाइट तक मौजूद नहीं है। हमें पृथ्वी की रक्षा के बारे में सोचना जरूर चाहिए, लेकिन डरना कोई उपाय नहीं है। खगोलीय रूप से किसी भी बड़े या छोटे ग्रह के परस्पर टकराने का आशंका नहीं बराबर है। अब तक कुल 1,18,846 छोटे ग्रह पहचाने गए हैं, जिनमें से 14,570 अपोलो श्रेणी में आते हैं। ज्यादातर ऐसे छोटे ग्रह लगातार परिक्रमा में लगे हैं। इस गुजरे ग्रह की ही बात करें, तो यह अब 65 साल बाद 19 अगस्त 2080 को पृथ्वी के करीब से गुजरेगा, लेकिन इस बार की तरह वह ज्यादा करीब नहीं आएगा। ऐसे छोटे ग्रह आमतौर पर पृथ्वी की कक्षा या उसके करीब से गुजरते हैं, लेकिन इसे इसलिए महत्व मिल गया, क्योंकि यह पृथ्वी की कक्षा के करीब मौजूद 99 फीसदी छोटे ग्रहों से अपेक्षाकृत बड़ा है। गौर करने की बात है कि वैज्ञानिक इसे साल 2016 से ही पृथ्वी के करीब आता देख रहे थे, अब आने वाले कुछ वर्षों तक जाते हुए देखेंगे। यह फिर सूर्य के करीब पहुंचेगा और फिर पृथ्वी की ओर लौटेगा। लेकिन तब तक हमें कोशिश करनी चाहिए कि दुनिया आज से बेहतर हो और इंसानों में बढ़ता अपराधबोध जनित भय भी कम हो।

'आज के ट्वीट

सहभागी

स्वावलंबीग सुरक्षित एवं सशक्त नारीग नए उत्तर प्रदेश की नींव है। आइएग आज से प्रारम्भ हो रहे 'मिशन शक्ति के तृतीय चरण' को अपनी सकारात्मक सहभागिता से सफल बनाने में सहयोग करें और एक समतामूलक समाज के निर्माण में सहभागी बनें। भारत माता की जय!॥

-- योगी आदित्यनाथग मुख्यमंत्रीग उप्र

खेल नीति का निर्धारण हकीकत बने

सुरेश सेठ

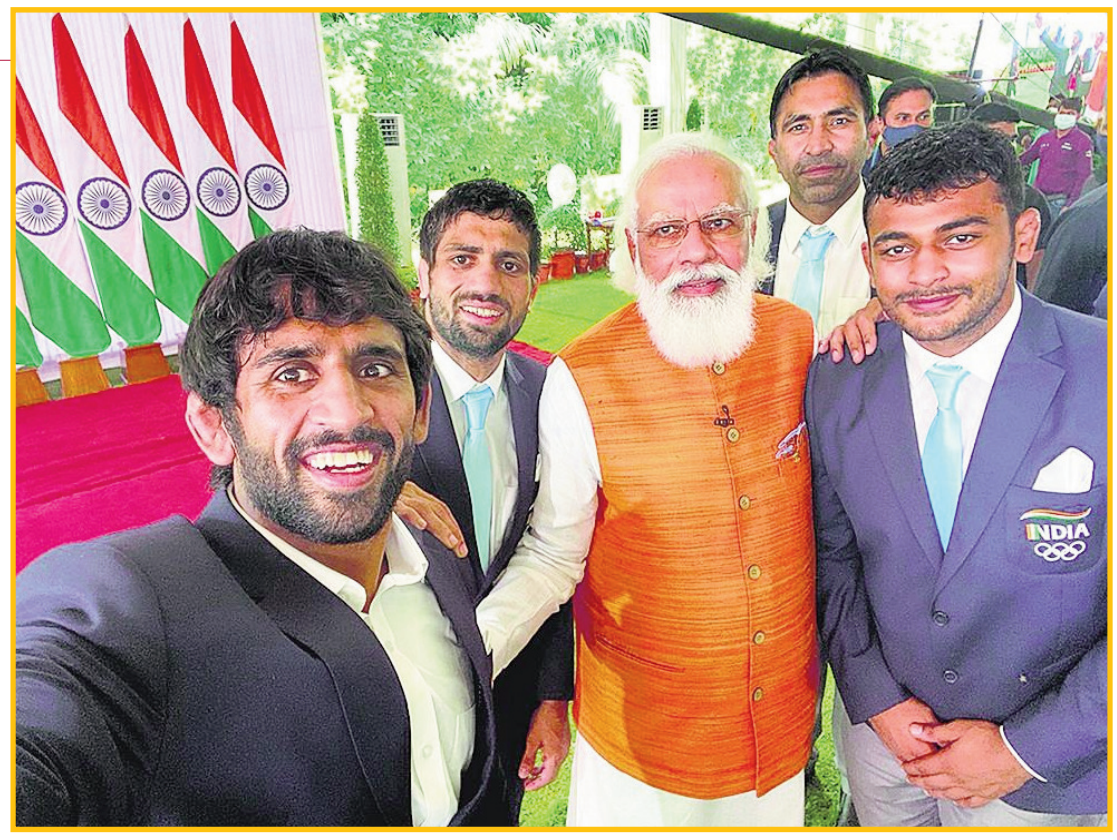

टोक्यो में अनूठा ओलम्पिक हो गया, जिसके खेल स्टेडियम कोरोना की वजह से दर्शकों से खाली थे, लेकिन यह इतना बड़ा इवेंट था कि एक पखवाड़ा इसके समाचार शीर्षकों की भेंट हो गया। भारत के खिलाड़ियों ने जो प्रदर्शन किया, उससे हर नागरिक का मन गद् गद, प्रधानमंत्री का हर्षातिरेक और राष्ट्रपति का आशीर्वाद मिला। पदक विजेताओं के लिए बड़े इनामों की झड़ी लग गयी। सच में खिलाड़ियों ने वे उपलब्धियां प्राप्त कर भारत के लिए इतिहास रच डाला। एथलेटिक्स में पिछले सौ वर्ष में पहला स्वर्ण पदक प्राप्त कर हरियाणा के नीरज चोपड़ा ने भाला फेंकने के खेल में इतिहास रच दिया और मिल्खा सिंह की आखिरी इच्छा को भी पूर्ण कर दिया कि 'काश! भारत भी एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीते।' लंदन ओलम्पिक में हम छह पदक जीत कर लाये थे, इस बार टोक्यो में हमने सात पदक जीत कर, कोरोना के इस विकट काल में भी अपना प्रदर्शन बेहतर किया। भारतीय हॉकी अपनी लय में लौटी। आठ बार का स्वर्ण पदक विजेता भारत हॉकी खेल प्रणाली बदल जाने के बाद खेल के मैदान में पिछड़ गया था। इस बार उसने अपने प्रतिबद्ध और आक्रामक खेल के साथ पदक तालिका में वापसी की। सेमीफाइनल मुकाबला तो हार दिया, लेकिन चार दशकों के बाद कांस्य पदक जीत कर बता दिया कि अब भारतीय हॉकी के गरिमापूर्ण दिनों की वापसी हो गयी। महिलाओं की हॉकी भी नये वायदे लेकर आयी है, जीत-दर-जीत दर्ज करती हुई यह टीम कांस्य पदक तो जीत नहीं पायी लेकिन खेल के मैदान में उनका जुझारूपन नयी महिला खिलाड़ी के जुझारूपन की छवि प्रस्तुत कर रहा था। भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया स्वर्ण पदक तो नहीं जीत पाये, लेकिन कज़ाकिस्तान के नियाजवेकोव को हराकर कांस्य पदक अवश्य जीत गये। रवि दहिया ने कुश्ती में रजत पदक जीत कर अपना दम दिखा दिया। महिलाओं की ओर से भारोत्तोलक मीराबाई चानू का रजत पदक, बैडमिंटन खिलाड़ी पी. वी. सिंधु और मुक्केबाज़ लवलीन बोरगेहन के कांस्य पदक भी देश की उस महिला शक्ति का परिचय दे रहे थे, जो भारत के पदक खिलाड़ियों के साथ कदम-ब-कदम चलना सीख रही है। चाहे ओलम्पिक के पहले दिन की शुरुआत भारत ने एक रजत पदक से की और अन्तिम दिन भी अपनी झोली में एक स्वर्ण पदक डाल लिया, लेकिन इन उपलब्धियों के हर्षोन्माद में हमें यह नहीं भूलना चाहिये कि जहां तक दूसरे देशों द्वारा पदक जीतने की तालिका का सम्बन्ध है, भारत इसमें 47वें स्थान पर है। यह सही है कि लंदन ओलम्पिक के मुकाबले हमने एक और पदक जीत लिया, लेकिन पदक विजेताओं की तालिका में हम कहां हैं? भारतीय अपनी सेहत या खेल स्पर्धा में किसी से कम नहीं, फिर क्यों हर बार हम पिछलग्गू रह जाते हैं? कभी भारत के राष्ट्रीय खेल हॉकी की बात करते हुए हम थकते नहीं थे। पुराने ढंग की हॉकी में हम आठ बार स्वर्ण पदक विजेता रहे। उन दिनों पंजाब के पुलिस मुखिया अश्विनी कुमार हॉकी के प्रेरक और जननायक-सा रुतबा रखते थे। फिर हॉकी खेलने का ढंग बदल टर्फ मैदानों में आ गया, और भारतीय खिलाड़ियों को उसकी लय पकड़ते चार दशक लग गये। उनकी यह उपलब्धि महत्वपूर्ण है, परन्तु इस वापसी में इतना अन्तराल क्यों हो गया? खिलाड़ियों की सूची खंगालते हैं। इनमें बड़ी संख्या में पंजाब के हैं, और पत्रकारों ने इनका नाम 'पंजाब ब्रिगेड' रख दिया। लेकिन हॉकी में गोल बचाने वाला श्रीजेश गोलकीपर पंजाबी नहीं था, इसलिए याद रखा जाये कि खिलाड़ी तो खिलाड़ी होते हैं, खेलते हुए अपनी राष्ट्रीयता को समर्पित! इसलिए किसी भी स्तर पर इनका मान सम्मान क्षेत्रीयता की दृष्टि से नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर ही होना चाहिए। मीडिया भी इनकी कवरेज करते हुए इन्हें देश के लिए जूझते हुए खिलाड़ी माने, अपने-अपने इलाके के नहीं। सही है कि टोक्यो ओलम्पिक दल के खिलाड़ियों में पंजाब और हरियाणा के खिलाड़ियों ने दमदार खेला, उपलब्धियां प्राप्त की, या अपने खेल के लिए प्रशंसा बटोरी लेकिन विजय पदक तालिका में भारत का सैंतालिसवां रैंक देखते हुए प्रश्न उठता है कि कमी कहां रह गयी? क्या इंटरनेट और डिजिटल भारत बनाने की इस अन्ध प्रतियोगिता में देश के खिलाड़ी, देश के खेल मैदान और देश की उचित खेल नीति कहीं उपेक्षित हो गयी। टोक्यो ओलम्पिक में अब जब भारतीय खिलाड़ियों ने अपना जज्बा दिखा कर आगे बढ़ने का प्रयास किया है तो एक बात समझ लेनी चाहिये कि खिलाड़ियों को उचित पारितोषिक या मान सम्मान नहीं दिया जाता। देश के संचार माध्यमों और मीडिया में ऐसे खिलाड़ियों की खबरें उभरने लगती हैं, जिन्हें पूर्व हो जाने पर उचित रोज़ी रोटी का वसीला नहीं मिलता और वह फुटपाथी धंधों में अपना जीवनयापन करते हैं। हम गर्व से यह तो कह देते हैं कि विश्वस्तरीय इन खेल प्रतियोगिताओं या ओलम्पिक में हमारे देहाती नौजवान उभरते हैं। लेकिन देश के ग्रामीण इलाकों में उचित खेल मैदानों, प्रशिक्षण और खेल प्रतियोगिताओं का प्रबन्ध क्यों नहीं है? हमारे खेल स्टेडियम, कोच, अकादमियां शहरी इलाकों में क्यों सिमटी हुई हैं? ग्रामीणों की अपनी खेल प्रतियोगितायें भी होती हैं, जिनकी स्थानीय रंगत और उत्साह लोगों को अपनी मिट्टी से जोड़ता है, यह उन्हें नगरों और विदेशों की ओर पलायन के लिए भी निरुत्साह कर सकता है। जरूरी है वहां खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को उचित संरक्षण मिले। टोक्यो ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन ने देश में एक नयी खेल संस्कृति पैदा करने की ज़रूरत को रेखांकित कर दिया है। यह खेल संस्कृति शहरों से नहीं, गांवों से उभरनी चाहिये। नये खेल स्टेडियमों और कोचिंग खेल अकादमियों का नीव स्थल गांवों के खुले स्थान हों, न कि शहरी खेल स्टेडियमों की ऊंची दीवारों का बन्द माहौल। महानगरों के खेल स्थल और खेल स्टेडियम बने रहें। वहां खेल प्रतियोगितायें आयोजित करके खिलाड़ियों को आर्थिक पुरस्कारों एवं अभिनंदन उत्साह दिया जाता रहे, लेकिन भारत के गांवों के नौजवानों की सुद्ढ़ नर्सरी, गांवों में सार्थक खेल नीति के प्रयास से ही बनेगी। वैसे इनमें क्षेत्रीयता, प्रांतीयता या जातिभेद की विभाजक रेखायें नहीं खींचनी चाहिये। लेकिन नयी खेल नीति का केन्द्र बिन्दु गांवों की ओर बनाया जा सकता है। भारत आज भी मूलत- गांवों का देश है, और इधर आत्मनिर्भर भारत का एक नारा भी है, 'चलें गांव की ओर।' लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

मोह

आचार्य रजनीश ओशो/ एक बात खयाल में लेना, जब तुम बुद्धपुरु षों के पास होते हो, तो उनकी आंखें, उनका व्यक्तित्व, उनकी भाव भंगिमा, उनके जीवन का प्रसाद, उनका संगीत सब प्रमाण देता है कि वे ठीक हैं, तुम गलत हो। लेकिन बुद्धपुरु ष कितने हैं? कभी-कभी उनसे मिलना होता है। और मिलकर भी कितने लोग उन्हें देख पाते हैं और पहचान पाते हैं? सुनकर भी कितने लोग उन्हें सुन पाते हैं? आंखें कहां हैं जो उन्हें देखें? और कान कहां हैं जो उन्हें सुनें? और हृदय कहां हैं, जो उन्हें अनुभव करें? और कभी-कभी विरल उनसे मिलना होता है। जिनसे तुम्हारा रोज मिलना होता है सुबह से सांझ तक करोड़ों-करोड़ों लोग वे सब तुम जैसे ही दुखी हैं। और वे सब संसार में भागे जा रहे हैं; तृष्णा में दौड़े जा रहे हैं, मोह में, लोभ में। इनकी भीड़ भी प्रमाण बनती है कि जब इतने लोग जा रहे हैं इस संसार की तरफ, जब सब दिल्ली जा रहे हैं, तो गलती कैसे हो सकती है? इतने लोग गलत हो सकते हैं? इतने लोग नहीं गलत हो सकते। अधिकतम लोग गलत होंगे? और इक्का दुक्का आदमी कभी सही हो जाता है! यह बात जंचती नहीं। इनमें बहुत समझदार हैं। पढ़े-लिखे हैं। बुद्धिमान हैं। प्रतिष्ठित हैं। इनमें सब तरह के लोग हैं। गरीब हैं, अमीर हैं। सब भागे जा रहे हैं! इतनी बड़ी भीड़ जब जा रही हो, तो फिर भीतर के स्वर सुगबुगाने लगते हैं। वे कहते हैं एक कोशिश और कर लो। जहां सब जा रहे हैं, वहां कुछ होगा। नहीं तो इतने लोग अनंत-अनंत काल से उस तरफ जाते क्यों? अब तक रु क न जाते? तो बुद्धपुरु ष फिर, तुम्हारे भीतर उनका स्वर धीमा पड़ जाता है। भीड़ की आवाज फिर वजनी हो जाती है। और भीड़ की आवाज इसलिए वजनी हो जाती है कि अंतस्तल में तुम भीड़ से ही राजी हो, क्योंकि तुम भीड़ के हिस्से हो; तुम भीड़ हो। बुद्धपुरु षों से तो तुम किसी-किसी क्षण में राजी होते हो। एक क्षणभर को तालमेल बैठ जाता है। उनकी वीणा का छोटा सा स्वर तुम्हारे कानों में गूंज जाता है। मगर यह जो नक्कारखाना है, जिसमें भयंकर शोरगुल मच रहा है, तुम्हें चौबीस घंटे सुनाई पड़ता है। तुम्हारे पिता मोह से भरे हैं; तुम्हारी मां मोह से भरी है, तुम्हारे भाई, तुम्हारी बहन, तुम्हारे शिक्षक, तुम्हारे धर्मगुरु सब। सबको पकड़ है कि कुछ मिल जाए। और जो मिल जाता है, उसे पकड़कर रख लें। और जो नहीं मिला है, उसे भी खोज लें मोह का अर्थ क्या होता है? मोह का अर्थ होता है मेरा, ममत्व; जो मुझे मिल गया है, वह छूट न जाए।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कृषि उत्पादों के निर्यात ने बनाई विश्वव्यापी पहचान

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

कोरोना के कारण ठप अर्थव्यवस्था में खेती किसानी ने ऑक्सीजन का काम किया है। लाख विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अन्नदाता ने देश में अन्न धन के भण्डार भर कर बड़ा सहारा दिया है। लंबे लॉकडाउन के कारण उद्योग-धंधों में आए ठहराव के बावजूद खेती किसानी ने उत्तरोत्तर प्रगति की है। अन्नदाता की मेहनत का ही परिणाम है कि देश आज कृषि निर्यात के क्षेत्र में दुनिया के दस शीर्ष निर्यातक देशों की सूची में शामिल हो गया है। साल 2020-21 के दौरान कृषि निर्यात के क्षेत्र में लंबी छलांग लगाई है। वर्ष 2020(21 में कृषि क्षेत्र से समग्र निर्यात 41.25 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। देश से पहली बार कलस्टरों से निर्यात को प्रोत्साहित किया गया है। कलस्टर आधारित यह एप्रोच भविष्य के लिए शुभ संकेत माना जा सकता है। देश में विकसित कलस्टरों में से बनारस से ताजा सब्जियां, चंदौली से काला चावल का निर्यात किया गया है। नागपुर के संतरे, लखनऊ से आम, अनंतपुर से केले आदि लंदन, दुबई व अन्य स्थानों पर निर्यात किए गए हैं। मसालों के निर्यात में देश अग्रणी रहता ही आया है। भारत से अनाज के साथ ही मोटे अनाज के निर्यात क्षेत्र में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। इससे यह साफ हो जाना चाहिए कि देश के कृषि उत्पादों की वैश्विक पहचान के साथ ही वैश्विक मांग भी देखी जा रही है। देखा जाए तो अब दुनिया के देशों में भारत तेजी से प्रमुख कृषि उत्पाद निर्यातक देश बनता जा रहा है। 62 की लड़ाई और देश में अन्न संकट को कभी भुलाया नहीं जा सकता। समूचे देश ने एक दिन यानी सोमवार को व्रत करने की शुरुआत तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के आह्वान पर की। इस तरह का दुनिया में संभवतः पहला उदाहरण होगा जब अन्न संकट के कारण समूचे देश में एक दिन के व्रत का संकल्प किया गया हो। पुरानी पीढ़ी के कुछ लोग तो आज भी सोमवार का व्रत लाल बहादुर शास्त्री के आह्वान पर कर रहे हैं। यही वह भारत है जब प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी को भी विदेशों के आगे अन्न के लिए हाथ फैलाना पड़ा। अमेरिका से जिस तरह का सड़ा-गला अनाज आता था वह उस पीढ़ी की यादों में समाया हुआ है। पर जिस तरह से योजनाबद्ध तरीके से देश में अनाज उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किए गए उसके परिणाम सामने हैं। हालांकि अब समय की मांग को देखते हुए जैविक खेती पर जोर दिया जा रहा है। हालिया सालों में दलहन का उत्पादन बढ़ाने का अभियान चलाया गया तो अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए 11 हजार करोड़ रुपए से भी अधिक के निवेश की घोषणा की है। आज हमारे देश से अमेरिका, चाइना, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमिरात, वियतनाम, इंडोनेशिया, नेपाल, ईरान और मलेशिया आदि में निर्यात हो रहा है। आलोच्य साल में इंडोनेशिया को निर्यात में अधिक बढ़ोतरी हुई है। अनाजों के साथ ही गैर बासमती चावल, बाजरा, मक्का आदि मोटे अनाज के निर्यात में भी दो कदम आगे ही बढ़ रहे हैं। दलहन में आयात पर निर्भरता कम हो रही है तो अब तिलहन में देश का आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ गए हैं। आज भले ही हम कृषि निर्यात में आगे बढ़ रहे हैं पर खेती किसानी के क्षेत्र में बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हो रही है तो अत्यधिक कीटनाशकों का उपयोग के दुष्प्रभाव छिपे हुए नहीं है। अब देश सतर्क है। जैविक खेती की ओर ध्यान गया है। इन सबके बावजूद कुछ दीर्घकालीन सुधार समय की मांग है। फसलोत्तर गतिविधियों में सुधार की बहुत अधिक आवश्यकता है। इसका बड़ा कारण है कि फसल तैयार होने के बाद कटाई से लेकर गोदाम तक आने के बीच बहुत अधिक मात्रा में खाद्यान्नों का नुकसान हो जाता है। फसलोत्तर

गतिविधियों में वेल्यू एडेड के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देश में बागवानी फसलों के रखरखाव व विपणन के लिए देशव्यापी कोल्ड स्टोरेज चैन विकसित करने की आवश्यकता है तो देश में वातानुकूलित कंटेनरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए जाने हैं। जिस तरह से फूड पार्क विकसित करने की घोषणाएं हो रही है, घोषणा की तुलना में धरातल पर अभी अधिक कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे में कृषि क्षेत्र में इन दीर्घकालीन सुधारों पर ध्यान दिया जाता है तो वह दिन दूर नहीं जब कृषि निर्यात के क्षेत्र में और भी अधिक तेजी से देश आगे बढ़ सके। पोस्ट कोरोना परिदृश्य भी देश की खेती किसानी के पक्ष में है और इसका बड़ा कारण दुनिया के देशों में चीन के प्रति आक्रोश है। दुनिया के देश कोरोना के चलते चीन को विलेन समझने लगे है। इन बदली परिस्थितियों का लाभ उठाने के लिए भी सरकार और अन्नदाता को आगे आना होगा। यह साफ हो जाना चाहिए कि कोरोना के इस दौर में अभी आने वाले दो तीन सालों तक उद्योगों को संभलने में समय लगेगा, ऐसे में खेती किसानी सबसे बड़ा संभावनाओं वाला क्षेत्र हो गया है। इसलिए अन्नदाता के सहयोग के लिए सभी नीति नियंताओं को मिलकर कार्ययोजना बनानी होगी ताकि किसानों की आय में भी बढ़ोतरी हो सके। खेती किसानी से अन्नदाता गौरवान्वित महसूस कर सके। इसलिए भले ही हम निर्यात में दस प्रमुख देशों में शुमार हो गए हों पर अभी रुकना नहीं आगे बढ़ना है और इसके लिए तात्कालिक प्रयासों के स्थान पर लंबी अवधि की योजना बनानी होगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गणेश चतुर्थी पर लांच होगा जियो का किफायती 4जी स्मार्टफोन

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी जियो गणेश चतुर्थी के अवसर पर किफायती 4जी स्मार्टफोन लांच करने पर विचार कर रही है। उसका कहना है कि लॉन्च से फीचर फोन से स्मार्टफोन में माइग्रेशन को बूस्ट मिल सकता है। साथ ही 2021 में भारत में स्मार्टफोन की बिक्री बढ़ने की भी उम्मीद है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के इंडिया हैंडसेट क्वार्टरली आउटलुक में यह बात कही गई है। बताया जा रहा है कि जियोफोन नेक्स्ट की कीमत 75 डॉलर (लगभग 5570 रुपए) रखी जा सकती है। यह एक ऐसा प्राइस पॉइंट है, जिसने पिछले दो वर्षों में बड़ी गतिविधि नहीं देखी है। अगर यह उम्मीद के मुताबिक काम करता है, तो हम भारतीय बाजार को हाइपर-ग्रोथ पीरियड में प्रवेश करते हुए देख सकते हैं। वर्तमान में भारत में 32 करोड़ फीचर फोन यूजर्स का स्थापित आधार है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जियोफोन नेक्स्ट 1440 गु णित 720 पिक्सल रिजॉल्यूशन वाले डिस्प्ले, क्वालकॉम के एंट्री लेवल 215 मोबाइल प्लेटफॉर्म, 2 जीबी रैम और एंड्रॉइड 11 गो एडिशन के साथ आएगा। इसके अतिरिक्त, इसमें गूगल असिस्टेंट, स्क्रीन टेक्स्ट का ऑटोमेटिक रीड-अलाउड, भाषा अनुवाद और एक स्मार्ट कैमरा भी रहेगा। जियोफोन नेक्स्ट गूगल और जियो दोनों के एप्लिकेशन के साथ-साथ एंड्रॉइड प्लेस्टोर को भी सपोर्ट करेगा, जिसके जरिए यूजर्स को एंड्रॉयड ऐप्स की पूरी लाइब्रेरी तक पहुंच प्राप्त होगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी 44वीं वार्षिक आम बैठक में इस डिवाइस की घोषणा की थी। इस फोन को रिलायंस ने गूगल के साथ मिलकर तैयार किया है।

वित्त वर्ष 2020-21 में नाबार्ड का ऋण 25.2% बढ़कर 6 लाख करोड़ रुपए पर पंहुचा

नई दिल्ली: राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने रविवार को अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताया कि 2020-21 वित्त वर्ष के दौरान बैंक का ऋण और अग्रिम पिछले साल की तुलना में 25.2 प्रतिशत बढ़कर 6 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। रिपोर्ट में बताया गया कि नाबार्ड ने वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 34,671.2 करोड़ रुपए की आय कमाई, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 6.1 प्रतिशत अधिक है। कर से पहले चालू वित्त वर्ष में उसका लाभ 6,081.4 करोड़ रुपए रहा, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 5,234.3 करोड़ रुपए था। वही कर के बाद बीते वित्त वर्ष में बैंक का लाभ 4,320 करोड़ रुपए पहुंच गया। इससे पिछले यानी वित्त वर्ष 2019-20 ने यह 3,859.2 करोड़ रुपए था। नाबार्ड ने बताया कि 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्त वर्ष में उसका बही-खाता 6.57 लाख करोड़ रुपए रहा। इसमें से अधिकांश गैर-निष्क्रिय (अर्जित) संपत्तियां है, जिसने बदले में जमीनी स्तर पर निजी और सार्वजनिक निवेश जुटाने में मदद की। नाबार्ड के अध्यक्ष जी आर चिंताला ने वार्षिक रिपोर्ट में कहा, हमने सालाना आधार पर अपनी कुल संपत्ति में 24 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि हासिल की और ऋण पोर्टफोलियो में इसी तरह की प्रभावशाली वृद्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि सरकार के आत्मनिर्भर भारत पैकेज और किसानों की मेहनत के कारण, कृषि क्षेत्र ने पिछले साल 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और चालू वित्त वर्ष में भी इसी प्रदर्शन को दोहराने की संभावना है। वही 2020-21 में कृषि ऋण बकाया 12.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा, जो सभी क्षेत्रों में सबसे अधिक है। चिंताला ने कहा, इससे हमें केंद्रीय बजट 2022 में निर्धारित 16.5 लाख करोड़ रुपए के ग्रामीण ऋण प्रवाह के लक्ष्य को पूरा करने का विश्वास मिलता है, क्योंकि चालू वर्ष के दौरान मानसून भी सामान्य रहने की उम्मीद है।

महामारी के दौरान रेलवे को हुआ 36,000 करोड़ रुपए का नुकसानः रेल राज्य मंत्री

(एजेंसी):

रेल राज्य मंत्री रावसाहेब दानवे ने रविवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान रेलवे को 36,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने मालगाड़ियों को राष्ट्रीय परिवाहक के लिए वास्तविक रूप से राजस्व उपलब्ध कराने वाला करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे के साथ एक बुलेट ट्रेन परियोजना को क्रियान्वित किया जाएगा, जो वर्तमान में निर्माणाधीन है। दानवे जालना रेलवे स्टेशन पर एक अंडरब्रिज के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यात्री ट्रेन खंड हमेशा घाटे में चलता है। चूंकि टिकट का किराया बढ़ने से यात्रियों पर असर पड़ता है, इसलिए हम ऐसा नहीं कर सकते। महामारी के दौरान, रेलवे को 36,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। केवल मालगाड़ियां ही राजस्व उत्पन्न करती हैं। महामारी के दौरान, इन ट्रेनों ने माल ढोने और लोगों को राहत प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बुलेट ट्रेन को लेकर उन्होंने कहा कि यह परियोजना मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे के साथ शुरू की जाएगी क्योंकि यह लोगों के लिए आवश्यक है। दानवे ने कहा कि रेलवे ने 'वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर' परियोजना शुरू की गई है, जो नवी मुंबई को दिल्ली से जोड़ेगी। वहीं, कार्यक्रम में मौजूद

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि राज्य सरकार ने मानसिक बीमारियों से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए जालना में एक अस्पताल को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से मराठवाड़ा क्षेत्र को लाभ होगा।

खरीफ फसलों की बुआई का क्षेत्र पिछले साल से अब तक 1.55प्रतिशत कमः सरकारी आंकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी):

कृषि मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, फसल वर्ष 2021-22 (जुलाई-जून) के चालू खरीफ सीजन में धान जैसी गर्मियों की फसलों के लिए अब तक बुआई का क्षेत्र 1.55 प्रतिशत कम होकर 1,043.87 लाख हेक्टेयर है। बुआई का काम अब भी जारी है और गर्मियों (खरीफ) की फसलों की बुआई अगस्त के अंत तक जारी रह सकती है। किसानों ने एक साल पहले इसी अवधि में 1,060.37 लाख हेक्टेयर में गर्मियों (खरीफ) की फसलें लगाई थीं। खरीफ फसलों की बुआई दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत के साथ जून से शुरू होती है। मंत्रालय ने कहा कि एक जून से 20 अगस्त के बीच मॉनसून की बारिश आठ फीसदी कम रही।

आवासीय, वाणिज्यिक परियोजनाओं में 4,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी टाटा रियल्टी

मुंबई (एजेंसी):

टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर अगले दो साल में आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाओं में 2,000-2,000 करोड़ रुपए (प्रत्येक) का निवेश करेगी। इसके तहत मुंबई में रुकी हुई मुलुंड परियोजना को फिर से शुरू करना शामिल है। टाटा रियल्टी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि कंपनी पिछले वर्ष बिक्री में हुई अच्छी-खासी वृद्धि और मांग में लगातार बढ़ोतरी के सहारे यह निवेश करेगी। रियल्टी क्षेत्र और बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में आवास, वाणिज्यिक और खुदरा संपत्तियों पर ध्यान देने वाली टाटा समूह की यह कंपनी, विशेष रूप से रेडी-टू-मूव-इन आवासीय इकाइयों के लिए उच्च मांग देख रही है। कंपनी ने महामारी के दौरान 1,500 से अधिक निर्माण मजदूरों को काम पर रखा है जिससे उनकी कुल संख्या 5,000 से अधिक हो गई है। कोविड-19 महामारी से पहले टाटा रियल्टी में केवल 3,500 निर्माण मजदूर और 670 से अधिक कर्मचारी काम कर रहे थे। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजय दत्त ने कहा ÷2020-21 में 1,500 करोड़ रुपए से अधिक के राजस्व के साथ हमारी सबसे अच्छी बिक्री हुई, जो कि महामारी को देखते हुए हमने जो वर्ष के लिए लक्षित किया था, उससे 120 प्रतिशत अधिक है।

एचडीएफसी बैंक फरवरी 2022 से हर महीने जारी करेगा 5 लाख क्रेडिट कार्ड

(एजेंसी):

निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक एचडीएफसी बैंक ने फरवरी 2022 से हर महीने अपने पोटफोंलियो में 5 लाख नए क्रेडिट कार्ड जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित करने की घोषणा की है। बैंक के पेमेंट्स, कंज्यूमर फाइनेंस, डिजिटल बैंकिंग एंड आईटी के ग्रुप प्रमुख पराग राव ने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल कर एचडीएफसी बैंक अगले 9 से 12 महीनों में भारतीय क्रेडिट कार्ड बिजनेस में अपनी बाजार हिस्सेदारी को फिर से प्राप्त कर शिखर पर होगा। उन्होंने कहा कि अगले 6 से 9 महीनों के अंदर नए क्रेडिट कार्ड जारी करने की गति बढ़ाने के लिए 20 से अधिक नई पहलों की शुरूआत की जाएगी। इन दौरान कई नए को-ब्रांडेड कार्ड को जारी किया जाएगा, जिनमें भारतीय कॉर्पोरेट जगत की जानी-मानी कंपनियां शामिल होंगी जो कि फार्मा, ट्रैवल, एफएमसीजी, हॉस्पिटैलिटी, टेलीकॉम और फिनटेक तक बिजनेस में कार्यरत हैं और एक बड़ा ग्राहक आधार रखती हैं। बैंक ने पिछले 9 महीनों में अपने कार्ड की मौजूदा रेंज में भी काफी विस्तार किया है और इस दौरान नई कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारी करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि क्रेडिट कार्ड उत्पादों की नई और पहले से विस्तृत तथा बेहतर रेंज के साथ बड़े पैमाने पर बाजार से लेकर अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट तक सभी के लिए कुछ न कुछ होगा। ग्राहकों के लिए उनकी उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार उत्पाद उपलब्ध होंगे। राव ने कहा ''पिछले कुछ महीने भविष्य के लिए खुद को तैयार करने में बिताए गए हैं। जब नियामक द्वारा कई तरह के प्रतिबंध लागू थे, तो हमने एक नई रणनीति तैयार करने के लिए उस समय का सही उपयोग किया। हमारी नई पेशकशों के साथ-साथ हमारे मौजूदा कार्ड की रेंज के साथ, हम अपने ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने और %एक धमाके के साथ वापस आने% के लिए पूरी तरह से आश्वस्त हैं। एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड जारी करने और नए ग्राहक अधिग्रहण करने वाले व्यवसायों दोनों में एक मजबूत हिस्सेदारी के साथ पेमेंट ईकोसिस्टम में अग्रणी है। बैंक देश का सबसे बड़ा क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता है और इसने पिछले 8 महीनों में अपने नेतृत्व की स्थिति को बनाए रखा है और कार्ड पोटफोंलियो की ताकत और अपनी सक्षमता को प्रदर्शित किया है।

गुजरात में करीब 15,000 आभूषण विक्रेताओं ने एचयूआईडी के खिलाफदेशव्यापी हड़ताल में हिस्सा लिया

अहमदाबाद (एजेंसी):

हॉलमार्किंग विशिष्ट पहचान संख्या (एचयूआईडी) प्रणाली को लागू करने के खिलाफ गुजरात में 15,000 से भी अधिक आभूषण विक्रेताओं (ज्वेलर्स) ने सोमवार को अपना कारोबार बंद रखा और देशव्यापी हड़ताल में शामिल हुए। आभूषण उद्योग के अंशधारकों ने यह दावा किया है। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) द्वारा एचयूआईडी के खिलाफ 'सांकेतिक हड़ताल' का आह्वान किया गया था तथा गुजरात सहित देशभर के विभिन्न संघों द्वारा इसे समर्थन दिया गया। ज्वेलर्स एसोसिएशन ऑफ अहमदाबाद के अध्यक्ष जिगर सोनी ने दावा किया कि अहमदाबाद में करीब 6,000 आभूषण की दुकानें और शोरूम मालिक एक सरल हॉलमार्किंग प्रक्रिया की मांग को लेकर हड़ताल में शामिल हुए। अहमदाबाद के अलावा, राजकोट और कई अन्य शहरों के सभी प्रमुख आभूषण बाजारों में भी दुकानें बंद रहने से सुबह से ही सन्नाटा पसरा रहा। आभूषण उद्योग से जुड़े लोगों ने दावा किया कि राजकोट में लगभग 4,000 इकाइयां तथा सूरत सहित पूरे दक्षिण गुजरात में 3,500 दुकानें और शोरूम बंद रहे। उन्होंने कहा कि राज्य के अन्य हिस्सों के सैकड़ों जौहरियों ने भी अपना समर्थन दिया और अपने बिक्री केन्द्र खोलने से परहेज किया। राजकोट के एक प्रमुख जौहरी अरविंद पटाडिया ने कहा, ''हम हॉलमार्किंग के खिलाफ नहीं हैं। हम नए पेश किए गए एचयूआईडी के बारे में चिंतित हैं, क्योंकि इसमें हमारा बहुत समय लगेगा और प्रक्रिया भी सरल नहीं है।'' इस नई प्रणाली के तहत हॉलमार्किंग के समय हर आभूषण को एक विशिष्ट कोड दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोड जौहरी के साथ-साथ ग्राहक की पहचान करने में भी मदद करेगा। उन्होंने कहा, ''किसी एक आभूषण पर

एचयूआईडी स्टाम्प प्राप्त करने में दो सप्ताह से अधिक का समय लगेगा। इससे हमारा व्यवसाय समाप्त हो जाएगा। कल्पना कीजिए कि हम केवल एचयूआईडी स्टाम्प प्राप्त करने के लिए कितना समय और ऊर्जा खर्च करेंगे।'' उन्होंने दावा किया कि यह प्रणाली अंततः 'इंस्पेक्टर राज' को वापस लाएगी। पटाड़िया ने कहा, ''बेनामी लेनदेन पर नजर रखने के लिए, एचयूआईडी ग्राहकों के बारे में जानकारी भी रखता है। हम चाहते हैं कि सरकार प्रक्रिया को और अधिक सरल और तेज बनाए। मुझे विश्वास है कि केंद्र एक अनुकूल निर्णय लेगा।'' सूरत के जौहरी दीपक चोकसी ने दावा किया कि दक्षिण गुजरात के करीब 3,500 जौहरी सोमवार को हड़ताल में शामिल हुए। उन्होंने कहा, ''ग्राहक आमतौर पर चाहते हैं कि हम आभूषण तैयार होने के बाद भी कुछ मामूली बदलाव करें। यह एक सामान्य प्रथा है। लेकिन, इस नई प्रणाली में कोई स्पष्टता नहीं है कि क्या इस तरह के संशोधनों की अनुमति विशिष्ट आईडी के साथ आभूषण पर मुहर लगने के बाद दी जायेगी।'' चोकसी ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र इस तरह की चिंताओं पर विचार करेगा और ज्वेलर्स के पक्ष में फैसला करेगा।

बिटकॉइन की कीमत में उछाल, तीन महीनों में पहली बार 50,000 डॉलर के पार हुआ

(एजेंसी):

सोमवार को बिटकॉइन तीन महीने में पहली बार 50,000 डॉलर से पार चला गया। इसकी वजह निवेशकों का क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग में फिर से जागा विश्वास है। बिटकॉइन लगभग 2 फीसदी चढ़कर 50,249.15 डॉलर हो गया, जो मई के मध्य के बाद से सबसे अधिक लेवल है। मध्य मई के बाद बिटकॉइन कई मुद्दों के चलते नीचे आने लगा। इनमें क्रिप्टोकरेंसीज पर चीन की कार्रवाई और बिटकॉइन माइनिंग के पर्यावरण पर प्रभाव को देखते हुए टेस्ला के बॉस एलन मस्क द्वारा इसमें पेमेंट स्वीकार करना बंद करने का फैसला भी शामिल हैं। बिटकॉइन जून में 29,000 डॉलर पर आ गया था, जो 6 माह का निचला स्तर था। अब यह इस स्तर से 70 प्रतिशत से अधिक चढ़ चुका है। ऐसी अटकलें हैं कि यह 100,000 डॉलर की ओर आगे बढ़ सकता है। बिटकॉइन अभी भी अपनी रिकॉर्ड कीमत से काफी दूर है, जो लगभग 65000 डॉलर थी। बिटकॉइन ने यह स्तर अप्रैल में छुआ था।

कॉइनडेस्क के अनुसार, **ethereum** ब्लॉकचेन से लिंक्ड **Ether** का प्राइस बढ़कर 3,321 डॉलर हो गया। यह बिटकॉइन के बाद दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी है। **Dogecoin** में 1 प्रतिशत की तेजी रही और यह 0.32 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। इसके अलावा स्टेलर, **XRP,** कैरडानो और लाइटकॉइन में भी तेजी आई है। दुनिया भर में पिछले वर्ष जून से इस वर्ष जुलाई के बीच क्रिप्टो की खरीदारी 880 प्रतिशत बढ़ी है।

पीएलआई योजना पासा पलटने वाली, राजस्व बढ़ाने में मदद करेगीः सूर्या रोशनी

(एजेंसी):

सूर्या रोशनी का मानना है कि उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों के लिए पासा पलटने वाली होगी। इससे कंपनियां अपनी सुविधाओं का विस्तार कर सकेंगी।

सूर्या रोशनी ने अपनी ताजा वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि सरकार की पीएलआई योजना के साथ अन्य पहलों मसलन मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के जरिए उपभोक्ता लाइटिंग खंड में उसका कारोबार बढ़ा है। साथ ही इन योजनाओं से उसके मुनाफे में भी वृद्धि हुई है। सूर्या रोशनी लाइटिंग और टिकाऊ उपभोक्ता सामान, इस्पात की पाइप और स्ट्रिप्स के क्षेत्र में परिचालन करती है। कंपनी के प्रबंध निदेशक राजू बिस्ता ने शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि टिकाऊ उपभोक्ता सामान क्षेत्र में कंपनी पंखे और उपकरणों का कारोबार बढ़ा रही है।

इसके साथ ही कंपनी विपणन और ब्रांड निर्माण के लिए निवेश कर रही है। सूर्या रोशनी देश की दूसरी सबसे बड़ी लाइटिंग कंपनी है।

उन्होंने कहा, ''हम उपभोक्ता तथा पेशेवर लाइटिंग क्षेत्र में अपनी पहुंच का और विस्तार करेंगे। हमने खुद को भविष्य में स्मार्ट लाइटिंग उत्पादों और समाधान के लिए तैयार कर रहे हैं।''

एनएसई ने निवेशकों ने बिना नियमन वाले डेरिवेटिव उत्पादों में निवेश से बचने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी):

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने निवेशकों से बिना नियमन वाले डेरिवेटिव उत्पादों में निवेश से बचने को कहा है। एक्सचेंज का कहना है कि निवेशकों को इंटरनेट आधारित ट्रेडिंग मंचों के डिफरेंस और बाइनरी ऑप्शन विकल्पों से बचना चाहिए। एनएसई ने सोमवार को बयान में कहा कि निवेशक इन मंचों के बड़े रिटर्न के वादे जाल में फंस जाते हैं। अंततः उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। एक्सचेंज ने कहा कि इसके मद्देनजर निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे ऐसे उत्पादों में निवेश करने से बचें। एक्सचेंज के संज्ञान में आया है कि कुछ बिना नियमन वाले मंच या वेबसाइट डेरिवेटिव उत्पादों डिफरेंस के लिए अनुबंध (सीएफडी) या बाइनरी ऑप्शन की पेशकश कर रहे हैं। इसके मद्देनजर एक्सचेंज ने यह परामर्श जारी किया है। सीएफडी को बाजार की भाषा में खरीदार और विक्रेता के बीच अनुबंध कहा जाता है। इसके तहत क्रेता को संपत्ति के मौजूदा मूल्य तथा अनुबंध के समय के मूल्य के अंतर का भुगतान विक्रेता को करना होता है। बाइनरी ऑप्शन के तहत निश्चित भुगतान करना होता है। इसमें निवेशक दो संभावित नतीजों में एक का अनुमान लगाता है। यदि उसका अनुमान सही साबित होता है तो निवेशक को तय भुगतान मिलता है। लेकिन उसका अनुमान गलत होने पर वह अपना शुरुआती भुगतान गंवा देता है।

बीमा क्षेत्र की तीन कंपनियां आईपीओ के जरिए 10 हजार करोड़ रुपए जुटाएंगी

मुंबई (एजेंसी):

बीमा क्षेत्र से जुड़ी तीन अलग-अलग कंपनियां आने वाले महीनों में बाजार में प्रवेश करने के साथ आईपीओ के जरिए दस हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि जुटाएंगी। पॉलिसी बाजार चलाने वाली पीबी फिनटेक, स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी और मेडी असिस्ट हेल्थकेयर सर्विस आईपीओ के जरिए यह राशि जुटाएंगी। इन तीनों कंपनियों ने इस आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से संबंधित मसौदा बाजार नियामक सेबी के समक्ष पहले ही भेज दिया है। इस वर्ष अभी तक 40 से अधिक कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 70 हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि जुटाई है। इसमें से अकेले अगस्त में चार कंपनियां सूचीबद्ध हुईं, जबकि पांचवी कंपनी नुवोको विस्टास कॉर्प का आईपीओ सोमवार के लिए निर्धारित है। इस महीने अब तक 24 और कंपनियों ने आईपीओ दाखिल किया है और इन कंपनियों को 4,000 करोड़

रुपए से अधिक जुटाने की उम्मीद है। निवेश बैंकर इस साल बाजार में 100 से अधिक आईपीओ आने की उम्मीद कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टोक्यो पैरालंपिक के उद्घाटन समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व 11 सदस्यीय दल करेगा

टोक्यो । भारतीय दल के मिशन प्रमुख गुरशरण सिंह ने कहा कि मंगलवार को टोक्यो पैरालंपिक के उद्घाटन समारोह में देश के दल से सिर्फ छह अधिकारियों को हिस्सा लेने की स्वीकृति मिली है। उद्घाटन समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व 11 सदस्यीय दल करेगा। बाकी पांच खिलाड़ी हैं।उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों की संख्या पर कोई सीमा नहीं है लेकिन अब तक सिर्फ सात भारतीय प्रतिस्पर्धी टोक्यो पहुंचे हैं। इन सात में से भी दो टेबल टेनिस खिलाड़ियों सोनल पटेल और भाविना पटेल की बुधवार को स्पर्धाएं हैं,इसकारण वे उद्घाटन समारोह में हिस्सा नहीं लेंगी। भारत के मिशन प्रमुख और भारतीय पैरालंपिक समिति के महासचिव गुरशरण ने बताया, उद्घाटन समारोह में सिर्फ छह अधिकारियों को स्वीकृति मिली है जबकि खिलाड़ियों के लिए कोई सीमा नहीं है। उद्घाटन समारोह के दौरान छह अधिकारियों की सीमा का नियम आठ अगस्त को खत्म हुए टोक्यो ओलंपिक के दौरान भी लागू था। जिन पांच खिलाड़ियों के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने की उम्मीद है, उसमें ध्वजवाहक मरियप्पन थंगावेलू, चक्का फेंक के विनोद कुमार, भाला फेंक के टेकचंद और पावरलिफ्टर जयदीप और सकीना खातून शामिल हैं। उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने वाले छह में से चार अधिकारी तय हैं, जो मिशन प्रमुख, उप मिशन प्रमुख अरहान बगाती, कोविड-19 मुख्य संवाद अधिकारी वीके डब्बास और मरियप्पन के कोच तथा पैरा एथलेटिक्स प्रमुख सत्यनारायण हैं।

गौरव सैनी एएसबीसी एशियन यूथ एवं जूनियर बॉक्सिंग चैम्पियनशिप के फाइनल मे

नई दिल्ली।

भारत के गौरव सैनी ने उज्बेकिस्तान के जकीरोव मुखमादाजीज को हराकर दुबई में जारी एएसबीसी यूथ एंड जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जूनियर लड़कों के 70 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। इसके साथ गौरव ने अपने लिए कम से कम रजत पदक सुरक्षित कर लिया है। गौरव के अलावा तीन अन्य भारतीय आशीष (54 किग्रा), अंशुल (57 किग्रा) और भारत जून (प्लस 81 किग्रा) ने भी इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता के दूसरे दिन अंतिम-4 चरण में प्रवेश करने के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इन तीनों ने अपने लिए कम से कम कांस्य पदक सुरक्षित कर लिया है। इससे पहले, रोहित चमोली (48 किग्रा) और अंकुश (66 किग्रा) ने जूनियर लड़कों के वर्ग में सेमीफाइनल में जगह बनाते हुए अपने लिए पदक सुरक्षित किए थे। हरियाणा के मुक्केबाज गौरव अच्छे फॉर्म में दिख रहे थे और अपने उज्बेक प्रतिद्वंद्वी के कुछ प्रतिरोध के बावजूद, उन्होंने लाइट मिडलवेट वर्ग में 4-1 से जीत हासिल करने से पहले कोई नियंत्रण नहीं खोया। आशीष और अंशुल भी अपने-अपने विरोधियों क्रमशः ताजिकिस्तान के रहमानोव जाफर और खिताब के दावेदार स्थानीय खिलाड़ी मंसूर खालिद के खिलाफ हावी थे। आशीष ने जहां 5-0 से एकतरफा अंदाज में आसान जीत दर्ज की, वहीं अंशुल के जोरदार प्रहार और लगातार हमले ने रेफरी को मैच के पहले दौर में ही रोकने और परिणाम भारतीय पक्ष में देने के लिए मजबूर कर दिया। दूसरी ओर, भरत को एक अन्य उज्बेक मुक्केबाज केनेस्बाएव अयनाजर टॉलीबे के खिलाफ कड़े मुकाबले में 3-2 से मिली जीत के दौरान कड़ी मेहनत करनी पड़ी। इस बीच, कृष पाल (46 किग्रा) और प्रीत मलिक (63 किग्रा) को हालांकि अपने-अपने अंतिम आठ मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। सात युवा पुरुष मुक्केबाज विश्वनाथ सुरेश (48 किग्रा), विक्टर शेखोम सिंह (54 किग्रा), विजय सिंह (57 किग्रा), रबीचंद्र सिंह (60 किग्रा), वंशज (64 किग्रा), दक्ष सिंह (67 किग्रा) और जयदीप रावत (71 किग्रा) खेलेंगे। ये सब क्वार्टर फाइनल में जीत के साथ चौथे दिन अपने लिए मेडल पक्का करना चाहते हैं। यह पहली बार है कि एशियाई चैंपियनशिप में जूनियर और युवा दोनों आयु वर्ग एक साथ खेले जा रहे हैं। लगभग दो वर्षों के अंतराल के बाद एशियाई स्तर पर होनहार युवा प्रतिभाओं के लिए चल रही एशियाई चैंपियनशिप बहुत जरूरी प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट है, जो महामारी के कारण रोक दी गई थी।

डूरंड कप में 16 टीमें लेंगी हिस्सा, पांच सितंबर से शुरू होगा देश का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट

कोलकाता ।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की पांच और आई-लीग की तीन फ्रेंचाइजी टीमें प्रतिष्ठित डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने वाली 16 टीमों में शामिल है जिसका आयोजन यहां पांच सितंबर से तीन अक्टूबर तक किया जाएगा। कई वर्षों तक दिल्ली में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट 2019 में कोलकाता में खेला गया था। अब इसके 130वें सत्र का आयोजन भी इसी शहर में होगा। भारतीय सेना द्वारा पारंपरिक रूप से आयोजित होने वाली यह प्रतियोगिता दुनिया की तीसरा सबसे पुरानी और एशिया की सबसे पुरानी फुटबॉल प्रतियोगिता है। इस साल भी टूर्नामेंट की मेजबानी पश्चिम बंगाल सरकार संयुक्त रूप से कर रही है। एफसी गोवा और बेंगलुरु एफसी जैसी आईएसएल (शीर्ष घरेलू लीग) की शीर्ष टीमों के अलावा केरल ब्लास्टर्स, जमशेदपुर एफसी और हैदराबाद एफसी इस टूर्नामेंट का हिस्सा होंगे। इसमें आईलीग की तीन टीमें भी हिस्सा ले रही है जिसमें 1940 में डूरंड कप जीतने वाला पहला भारतीय क्लब मोहम्मडन स्पोर्टिंग के अलावा गत चैंपियन गोकुलम केरल और दिल्ली की टीम सुदेवा एफसी शामिल हैं। एफसी बेंगलुरू यूनाइटेड और दिल्ली एफसी भारतीय फुटबॉल के दूसरे डिवीजन का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि भारतीय सेना की दो टीमें (रेड और ग्रीन) के साथ साथ भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना, सीआरपीएफ और असम राइफल्स की एक-एक टीम टूर्नामेंट की 16 टीमों को पूरा करेंगीं। टूर्नामेंट कि मेजबानी राज्य के तीन प्रमुख फुटबॉल मैदान करेंगें। कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (वीवाईबीके) के साथ मोहन बागान क्लब ग्राउंड और कल्याणी नगरपालिका स्टेडियम मैदान में मुकाबले खेले जाएंगे।

बार्टी और जेवरेव ने जीता सिनसिनाटी ओपन का खिताब

मैसन (अमरीका)। ऐश बार्टी ने तोक्यो ओलंपिक की हार की निराशा को भुलाकर शानदार वापसी करके रविवार को यहां वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन (सिनसिनाटी ओपन) टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता। दूसरी तरफ तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता अलेक्सांद्र जेवरेव ने अपनी लय जारी रखते हुए पुरुष एकल का खिताब जीतकर यूएस ओपन से पहले अपनी तैयारियों का पुख्ता सबूत भी पेश किया। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बार्टी ने वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली जिल टीचमान को 6-3, 6-1 से हराया। यह उनका इस सत्र का पांचवां खिताब है। जेवरेव को भी सिनसिनाटी फाइनल में ज्यादा पसीना नहीं बहाना पड़ा। उन्होंने सातवीं रैंकिंग के आंद्रे रूबलेव को 6-2, 6-3 से पराजित किया। यह मैच केवल 58 मिनट तक चला। पिछले साल यूएस ओपन के फाइनल में डोमिनिक थीम से हारने वाले जेवरेव ने कहा, यह सप्ताह बहुत अच्छा रहा। न्यूयार्क (यूएस ओपन के लिए) जाने से पहले यह शानदार अहसास है।

तेंदुलकर ने पैरालंपिक खेलों के लिए समर्थन मांगा, पैरा खिलाड़ियों को वास्तविक नायक बताया

मुंबई ।

अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने पैरा खिलाड़ियों को 'वास्तविक जीवन के नायक' करार देते हुए देशवासियों से तोक्यो पैरालंपिक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का समर्थन करने की अपील की। पैरालंपिक खेल मंगलवार से शुरू होंगे। तेंदुलकर ने सोमवार को बयान में कहा कि यह पैरालंपिक खेलों का समय है और मैं सभी भारतीयों से टोक्यो खेलों में भाग ले रहे देश के 54 खिलाड़ियों का समर्थन करने की अपील करता हूं। तेंदुलकर ने कहा कि पैरा खिलाड़ियों का सफर सीख देता है कि यदि जज्बा है और दृढ़ संकल्प है तो व्यक्ति कुछ भी कर सकता है। मेरा मानना है कि ये महिलाएं और पुरुष विशेष क्षमताओं वाले खिलाड़ी नहीं बल्कि असाधारण क्षमता वाले महिला और पुरुष हैं जो हम सभी के लिये वास्तविक जीवन के नायक हैं। उनकी जीवन यात्रा से हमें सीख मिलती है कि महिलाएं और पुरुष अपने जुनून, प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प के साथ क्या कर सकते हैं और हम सभी के लिये प्रेरणा का काम कर सकते हैं। पैरालंपिक में भाग लेने वाले प्रत्येक खिलाड़ी का समर्थन करना जरूरी है भले ही परिणाम कुछ भी रहे। तेंदुलकर ने कहा कि मेरा मानना है कि यदि हम अपने पैरालंपिक खिलाड़ियों को उसी तरह से समर्थन दे सकते हैं जैसा हम अपने ओलंपिक नायकों और क्रिकेटरों को देते रहे हैं तो हम बेहतर समाज स्थापित कर सकते हैं और केवल पदक विजेताओं का

ही नहीं बल्कि सभी का हौसला बढ़ाना आवश्यक है। पैरालंपिक खेलों में भाग ले रहे सभी 54 खिलाड़ियों में से प्रत्येक पदक नहीं जीत पाएगा। तेंदुलकर ने उम्मीद जताई कि इस बार भारत पैरालंपिक में अधिक पदक जीतने में सफल रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं पढ़ रहा हूं कि हम इस बार 10 से अधिक पदक जीत सकते है। मुझे उम्मीद है कि हम और पदक जीतेंगे। रियो में हमने चार पदक जीते थे। यदि इस बार हम 10 से अधिक पदक जीतते हैं तो यह बहुत बड़ा बदलाव होगा जिसका हम सभी को जश्न मनाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

हॉकी टीमों के कप्तानों ने पैरालम्पिक टीम को दी अपनी शुभकामनाएं

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी और पुरुष टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने 24 अगस्त से 5 सितम्बर तक होने वाले टोक्यो पैरालम्पिक में हिस्सा लेने जा रही भारतीय टीम को अच्छे प्रदर्शन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी हैं। रानी ने भारतीय दल को अपने सन्देश में कहा कि अब समय टोक्यो पैरालम्पिक शुरू होने का है और मैं भारतीय हॉकी की तरफ से हर उस एथलीट को अपनी शुभकामनाएं देना चाहती हूं जो इन खेलों में हिस्सा लेने जा रहे हैं। ये एथलीट किसी असली हीरो से काम नहीं हैं जिनके पास हमारे देश के बड़ी संख्या में लोगों को प्रेरित करने की ताकत है। मैं उम्मीद करती हूं कि इस टीम का हर सदस्य अपनी क्षमता के अनुरूप अपना प्रदर्शन करे और उसके लिए टोक्यो पैरालम्पिक का अनुभव यादगार बने। भारत इन खेलों में 54 एथलीटों का अपना सबसे बड़ा दल उतार रहा है। भारतीय पुरुष टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने इन एथलीटों को भारतीय समाज के लिए एक प्रेरणा बताया है। उन्होंने कहा कि इस पैरा एथलीटों की असामान्य यात्रा से किसी भी व्यक्ति के लिए सीखने को बहुत कुछ है। इस भारतीय टीम का हर सदस्य इस बात का उदाहरण है कि प्रतिबद्धता, दृढ़ता, संकल्प और कड़ी मेहनत से क्या हासिल किया जा सकता है। पूरी टीम की तरफ से मैं भारतीय पैरा ओलम्पिक दल को अपनी शुभकामनाएं देना चाहता हूं और उम्मीद करता हूं कि पूरा देश इन सभी एथलीटों के समर्थन में खड़ा रहेगा।

भारत के वाटर स्पोर्टस एथलीटों को पैरालम्पिक खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का भरोसा

नई दिल्ली।

भारत के वाटर स्पोर्टस दल के तीन सदस्य जिसमें दो पुरुष तैराक और एक महिला केनोए स्पिरिंट एथलीट शामिल हैं, इन्हें टोक्यो पैरालम्पिक खेलों में उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का भरोसा है। सुयश जाधव का यह दूसरा पैरालम्पिक है जबकि निरंजन मुकुंदन और प्राची यादव पहली बार इन खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। तीनों टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) का हिस्सा हैं। सुयश ने 2018 एशियाई पैरा खेलों में पुरुष 50 मीटर बटलफ्लाई एस7 में 32.71 सेकेंड के साथ जीत हासिल की थी जिसके कारण वह टोक्यो पैरालम्पिक में प्रवेश कर सके थे। सुयश ने कोच तपन पानीग्राही के अंडर बेलावड़ी स्टेडियम में ट्रेनिंग ली है। उन्हें भारत सरकार से विदेशी दौरों के लिए सहायता मिली है, जहां उन्होंने पांच से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लिया है। 2016 रियो पैरालम्पिक के बाद सुयश ने 2018 एशिया पैरा खेलों में एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीते हैं। इसके साथ ही उन्हें 2018 में एकलव्य अवॉर्ड तथा 2020 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सुयश का 200 मीटर व्यक्तिगत मेडली एसएम7 इवेंट 27 अगस्त को होना है। इसके बाद वह निरंजन के साथ पुरुष 50 मीटर बटरफ्लाई एस7 इवेंट में तीन सितंबर को हिस्सा लेंगे। मुरलीकांत पेटकर पहले भारतीय एथलीट है जिन्होंने पैरालम्पिक पदक जीता था। उन्होंने जर्मनी में 50 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण जीता था। निरंजन

ऐसे एथलीट हैं जिनके नाम 60 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय पदक हैं और वह एकमात्र पैरा तैराक हैं जिन्होंने 50 पदक को पार किया है। निरंजन को भी सरकार से विदेशी दौरे के लिए तथा राष्ट्रीय कोचिंग कैंप में भाग लेने में मदद मिली है। इस बीच, प्राची पहली भारतीय हैं जिन्होंने पैरा केनोएइंग इवेंट के लिए पैरालम्पिक में प्रवेश किया है। वह महिला वीएल2 200 मीटर हीट्स में दो सितंबर को हिस्सा लेंगी। इस वर्ग के सेमीफाइनल और फाइनल अगले दिन होंगे।

तीसरे टेस्ट में खेल सकते हैं अश्विन, मिला बड़ा संकेत

लीड्स । भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पूर्व रविवार को यहां हैडिंग्ले के नेट्स पर ट्रेनिंग शुरू की जिसमें सभी शीर्ष खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टेस्ट के लिए लीड्स पहुंचने के तुरंत बाद भारतीय टीम ने अभ्यास शुरू किया। लॉर्ड्स में दूसरे टेस्ट में 151 रन की जीत के साथ भारत श्रृंखला में 1-0 से आगे चल रहा है। कप्तान विराट कोहली, उप कप्तान अजिंक्य रहाणे और सीनियर सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा से लेकर जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी की तेज गेंदबाजी जोड़ी के अलावा रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी ने नेट्स पर पसीना बहाया। विकेटकीपर ऋषभ पंत ने भी अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। कोहली की नजरें लीड्स टेस्ट में जीत के साथ श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त लेने पर टिकी हैं। भारत ने हैडिंग्ले में पिछला टेस्ट 2002 में खेला था और मौजूदा टीम के किसी खिलाड़ी को इस मैदान पर टेस्ट खेलने का अनुभव नहीं है। तीसरा टेस्ट बुधवार से शुरू होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के यहां पहुंचने पर ट्वीट किया कि लीड्स के हैडिंग्ले स्टेडियम में आपका स्वागत है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट का आयोजन स्थल।

मौजूदा टेस्ट सीरीज में खराब प्रदर्शन के लिए शीर्ष क्रम को फटकार लगा दी

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम गूच ने भारत के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में खराब प्रदर्शन के लिए मेजबान टीम के शीर्ष क्रम को फटकार लगा दी है। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज रोरी बर्न्स और डोम सिब्ले ने आगे बढ़ने के लिए संघर्ष किया है, लेकिन सफल नहीं हुए। जैक क्रॉले भी सीरीज में अभी तक जो रूट की अगुवाई वाली टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में सफल नहीं हुए हैं। गूच ने इंग्लैंड के शीर्ष क्रम पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक अभी भी मौजूदा टीम के लिए ओपनिंग करने के लिए काफी अच्छे हैं। कुक तीन साल पहले क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। एलिस्टेयर कुक इंग्लैंड के लिए खेलने वाले महानतम खिलाड़ियों में से एक हैं। वह 12,472 रन के साथ सबसे लंबे प्रारूप में देश के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। गूच ने कहा,कुक ने 3 साल पहले संन्यास ले लिया था, लेकिन वह अभी भी टीम के लिए ओपनिंग करने के लिए बेहतर हैं! अगर वह उपलब्ध होते तब वह खेलते, बेशक वह ऐसा करते। गूच का मानना है कि इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों को ड्रॉइंग बोर्ड में वापस जाने और मौजूदा टेस्ट सीरीज में अपनी कमियों का पता लगाने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे लगातार अच्छा प्रदर्शन करें।गूच ने कहा कि यह प्रयास की कमी के बारे में नहीं है, बल्कि इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों के रवैये, तकनीकी क्षमता और ज्ञान के सही उपयोग के बारे में है, जो उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने में मदद कर सकता है।

इंग्लैंड के विरुद्ध जारी टेस्ट सिरीज में जल्द बड़ा शतक बनाएगा विराट : शर्मा

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली के कोच राजकुमार शर्मा को भरोसा है कि उनका शिष्य इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में बड़ा शतक बनाएगा। कोहली ने नवंबर 2019 के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक नहीं बनाया है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट में तीन पारियों में सिर्फ 62 रन बनाए हैं। उनके समकक्ष जो रूट चार पारियों में 386 रन के साथ रन बनाने के साथ शीर्ष पर हैं। सीनियर पुरुष दिल्ली टीम के मुख्य कोच के रूप में कार्य करने वाले शर्मा ने खुलासा किया कि उन्होंने हाल ही में कोहली से बात की थी और उन्हें विश्वास था कि भारतीय कप्तान के बल्ले से जल्द ही एक बड़ा शतक आएगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि उसे प्रेरित करने की कोई आवश्यकता है क्योंकि वह बेहद प्रेरित है। जब मैंने पिछले मैच के बाद भी उससे बात की थी तो वह काफी उत्साहित था और खुश था कि वे जीत गए थे और अपने बारे में ज्यादा चिंतित नहीं थे। जब उसके पास ऐसा रवैया होता है तो एक बड़ा शतक आने वाला होता है। यह पूछे जाने पर कि क्या इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने अपनी रन बनाने की होड़ के साथ कोहली को चुनौती दी? शर्मा ने जवाब दिया, मैं कहूंगा कि विराट के लिए जो रूट का पीछा करना एक चुनौती है।

टोक्यो पैरालंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे - दीपा मलिक

नई दिल्ली।

भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) की प्रमुख दीपा मलिक को उम्मीद है कि देश के पैरा खिलाड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे टोक्यो खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इतिहास रचेंगे। भारत इन खेलों में अपना अब तक का सबसे बड़ा दल उतार रहा है। देश के 54 खिलाड़ी नौ खेलों में चुनौती पेश करेंगे जिसमें तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कैनोइंग, निशानेबाजी, तैराकी, पावरलिफ्टिंग, टेबल टेनिस और ताइक्वांडो शामिल हैं। यह पूछने पर कि क्या उन्हें अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है, दीपा ने कहा कि बेशक, मुझे बहुत अधिक उम्मीदें हैं। इस साल भारत अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेज रहा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि हम इतिहास रचेंगे। उन्होंने कहा कि यह दल पिछले दल से तीन गुना बड़ा है, 2016-2020 के बीच चार से पांच साल में हमने चार और खेलों में क्वालीफाई किया है। महामारी के कारण दो साल प्रभावित हुए लेकिन इसके बावजूद क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। पैरालंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला दीपा ने कहा कि भारतीय दल के लिए आंकड़े अच्छे दिख रहे हैं। सिर्फ क्वालीफाई करने वाले ही नहीं बल्कि विश्व रैंकिंग के आधार पर भी खिलाड़ियों ने काफी कोटा हासिल किए हैं। आंकड़े काफी अच्छे नजर आ रहे हैं, चयन ट्रायल में खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया और उनकी मौजूदा विश्व रैंकिंग को देखते हुए काफी उम्मीदें हैं। दीपा ने कहा कि प्रतिभागियों और खेलों की संख्या में इजाफा हुआ है, हमारे पास शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं, इससे संकेत मिलते हैं कि ये भारतीय इतिहास के शानदार पैरालंपिक होने वाले हैं। रियो पैरालंपिक 2016 में भारतीय दल ने दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक सहित कुल चार पदक जीते थे। गोला फेंक में रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता दीपा ने कहा कि खेल गांव में खिलाड़ियों ने हालात से अच्छा सामंजस्य बैठाया है। कोविड से जुड़ी

पाबंदियों पर उन्होंने कहा कि हमें प्रत्येक सुबह अपने नमूने कोविड परीक्षण के लिए सौंपने होते हैं। किसी भी स्थान पर प्रवेश से पहले तापमान जांचा जाता है और सामाजिक दूरी बनाकर रखनी होती है। खेल गांव में भी तय लेन बनाई गई हैं।

खुश हूं कि लोग मेरे बारे में बात करते हैं : रहाणे

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने सोमवार को व्यंग्य करते हुए कहा कि जो लोग फॉर्म में नहीं होने के कारण उनकी आलोचना कर रहे हैं वे उन्हें महत्वपूर्ण महसूस करा रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि वह कम रन बनाने को लेकर चिंतित नहीं है। रहाणे ने वर्चुअल प्रेस वार्ता में कहा, मुझे बहुत खुशी है कि लोग मेरे बारे में बात कर रहे हैं। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि लोग महत्वपूर्ण लोगों के बारे में बात करते हैं, इसलिए मैं इसको लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हूं। यह बस टीम के लिए

योगदान देने की बात है। उन्होंने कहा, सभी चीजें मुझे प्रेरित करती हैं। देश के लिए खेलना मुझे प्रेरित करता है। मैं आलोचनाओं से परेशान नहीं होता हूं। लोग सिर्फ जरूरी लोगों की आलोचना करते हैं और वे मेरी भी आलोचना कर रहे हैं। मैं सिर्फ नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। रहाणे ने मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शतक जड़ा था। इसके बाद से रहाणे ने 16 टेस्ट पारियों में सिर्फ दो अर्धशतक लगाए हैं। रहाणे ने कहा, लॉर्ड्स में खेली गई पारी मेरे लिए संतोषजनक थी। मैं योगदान देने पर भरोसा रखता हूं। मैं सिर्फ टीम के बारे में सोचता हूं। मेरा मानना है कि 61 या 62 रन का योगदान देना भी महत्वपूर्ण है। यह संतोषजनक है। रहाणे के अलावा चेतेश्वर पुजारा भी रन नहीं बना पा रहे हैं। रहाणे का जहां चार पारियों में एग्रिगेट 65 का है तो वहीं पुजारा का मौजूदा सीरीज में एग्रिगेट 70 का है। उपकप्तान ने कहा, पुजारा और मैं लंबे समय से खेल रहे हैं। हमें पता है कि दबाव से और स्थिति से कैसे पार पाना है। हम उनके लिए चिंतित नहीं है। हम सिर्फ टीम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जो भी हमारे नियंत्रण में नहीं है, हम उस बारे में नहीं सोच रहे हैं।

फेसपैक रात के लिए

दलिया से बने फेसपैक को रात में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है, जो काफी लाभप्रद होता है। इसे बनाने के लिए दो चम्मच दलिया लें। इसमें ऑयल की कुछ बूंद डालकर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट में एक चम्मच शहद और 2-3 चम्मच नींबू का रस मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगा लें। जब मिश्रण सूखने लगे तो स्क्रब कर लें बाद में निकाल दें। गर्म पानी से चेहरा धोएं।

जब सिर में हो खारिश

केले में शहद मिला कर मसल लें। उसमें प्याज का रस मिक्स करें। फिर इसे बालों की जड़ों में लगा कर 20 मिनट तक छोड़ दें और बाद में शैंपू कर लें। इस मास्क से रूसी खत्म होगी। जै तून का तेल लें और उसे गरम करें। उसमें शहद की कुछ बूंदें डालें और उससे सिर की कुछ देर मसाज करें। बीस मिनट के बाद सिर को शैंपू से धो लें। खारिश दूर हो जाएगी।

हाथों को सुंदर बनाने के टिप्स

खूबसूरत हाथ सभी को आकर्षित करते हैं। अपने हाथों को सुंदर बनाने के लिए आप मैनिक्योंर करवा कर हाथों को हमेशा नर्म और मुलायम बना सकती हैं। हाथों को खूबसूरत बनाएं रखने के लिए जानें ये मेनिक्योंर टिप्स-

हाथ रुखे होने पर आप इनमें तेज खुशबू वाला लोशन लगाएं।

अक्सर नेलपॉलिश हटाने के बाद नेल्स रुखे हो जाते हैं ऐसे में आप नेल रिमूवर में कुछ बूंदें जोजोबा ऑयल की डालें और इसे नेपॉलिया हटाने केबाद नाखूनों पर लगाएं।

नेलपॉलिश को ज्यादा दिनों तक फ्रेश बनाए रखने के लिए शीशी के मुंह पर क्यूटिकल ऑयल लगाएं और शीशी बंद कर दें।

गीले हाथों पर नेल फाइलिंग न करें, क्योंकि गीले होने पर नाखून कमजोर हो जाते हैं। नाखूनों को एक ही दिशा में फाइल करें नहीं तो वे टूट भी सकते हैं।

घर सजाओ कुछ हटकर

होम डेकोर में कुशन, कर्टन, बेड कवर आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि इनसे आप कम समय में घर का मेकओवर कर सकती हैं, इसलिए अलग-अलग उत्सव के लिए खास कलेक्शन रखें।

दीवारों पर सॉफ्ट कलर का पेंट है, तो एक्सेसरीज ब्राइट कलर की और दीवारों का कलर हाईलाइट करना हो, तो एक्सेसरीज सॉफ्ट रखें। घर का लुक अच्छा आता है।

पहले ही डिसाइड कर लें कि आपको कमरे का लुक एथनिक चाहिए या फिर मॉडर्न। इस बात को ध्यान में रखकर ही कमरे को सजाने की शुरूआत करनी चाहिए। कुशन और बेड कवर्स के साथ भी एक्सपेरिमेंट किया जा सकता है। अजकल मार्केट में कई तरह के कुशन कवर्स और बैड कवर्स उपलब्ध है जो आपके कमरे की सजावट को कॉम्प्लीमेंट करेगा। दीवारों पर भी रंग कुछ हटकर चुन सकते हैं। इससे कमरे की काया ही बदल जाएगी।

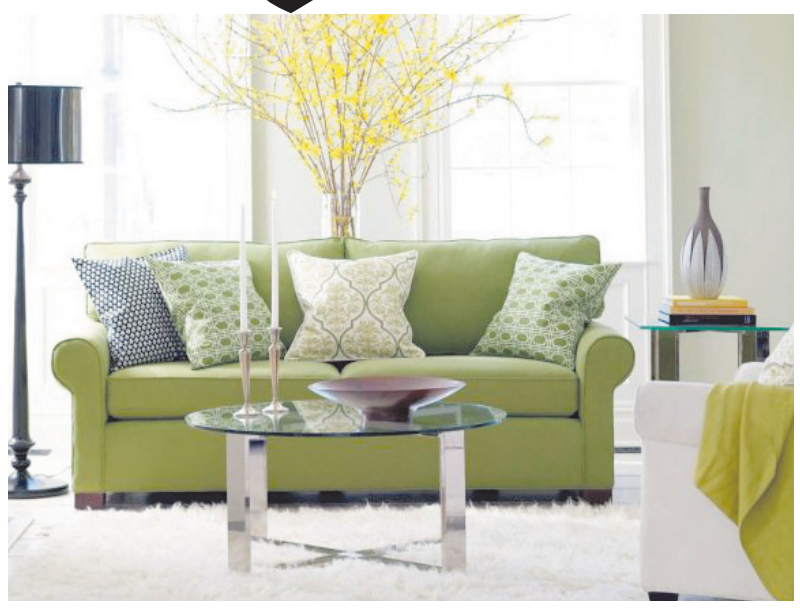

बटुआ बना नया फैशन ट्रेंड

यह सच है कि फैशन हर पल बदलता रहता है। इन दिनों बटुओं को सबसे ज्यादा फैशन है। जहां पहले लड़कियां बड़े बैग्स कैरी करना पसंद करती थीं वहीं इन दिनों बड़े बैग की जगह उनके हाथों में छोटा बटुआ देखने को मिलता है। कमाल की बात यह है कि ये बटुए हर शेप, साइज और रंग में मिलते हैं। इन बटुओं की खासीयत यह है कि इन्हें आप हाथ में रख सकती है और साथ ही जब चाहें कंधे पर टांग भी सकती हैं।

यह हर ड्रेस के हिसाब से मैंचिग की जा सकती है।

अब आपको इंडियन आउटफिट पसंद हो या वेस्टर्न बटुआ हर ड्रेस के साथ मैच हो जाता है। बटुए अब हर तरह के मैटीरियल में उबलब्ध हैं। लैदर, रैक्सीन, जूट, कपड़े में यह मार्केट में पाए जाते हैं। एम्ब्रॉएडरी, सीक्वेंस वर्क, स्टोन वकआदि हर रूप में पाया जाता है। बटुआ हर एज ग्रुप को इम्प्रेस करता है। चहे फिर वह कॉलेज गोइंग गर्ल्स हो या फिर हाउसवाइफ या फिर वर्किंग वुमन। यह सबका फेवरेट है।

डाइनिंग टेबल डेकोर

घर की शोभा बढ़ाने में डाइनिंग टेबल का भी बड़ा हाथ होता है। डायनिंग टेबल से लिविंग रूम की शोभा चार गुना बढ़ती है और अगर यह ठीक से अरेंज हो तो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। डायनिंग टेबल सैट करते वक्त कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

1. डानइनिंग टेबल साफ रखें। अपनी डायनिंग टेबल को हमेशा साफ रखें। अगर आपके घर पर पार्टी है या फिर गेस्ट आने वाले हैं तो अपनी डायनिंग टेबल को पोंछ कर ही उस पर नैपकिंस और पल्ट्स सजाएं।
* डाइनिंग टेबल पर टेबल मैट ऐसा होना चाहिए चाहिए जो दिखने में खूबसूरत होने के साथ-साथ साफ करने में भी आसान हो।
* टेबल पर बीचों-बीच एक सेंटर पीस रख देने से टेबल पर रखें अन्य समान अपनी जगह पर ठीक से अरेंज हो जाएंगे। सेंटर पीस के रूप में आप फूलों का वास या शो पीस आदि रख सकती हैं। अगर आपको सेंटरपीस नहीं रखने का मन है तो आप वहां पर नैपकिन का सेट भी रख सकती हैं।
* कटलरी परोसे गए खाने के आइटम के हिसाब से होनी चाहिए। इसे बाहर से अंदर के हिसाब से रखना चाहिए।
* डाइनिंग टेबल पर ज्यादा भीड़ न लगाएं. डिनर के लिए अपने डायनिंग टेबल को यूजर फ्रेंडली बनाइए। वहां पर केवल वही चीजें रखें जिनकी जरूरत हों।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

काबुल हवाईअड्डे पर हमलावरों ने अफगान जवान की हत्या की, जर्मनी की सेना ने ट्वीट कर दी जानकारी

बर्लिन। जर्मनी की सेना ने कहा कि सोमवार को काबुल हवाईअड्डे के उत्तरी द्वार पर अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों और अज्ञात हमलावरों के बीच गोलीबारी हुई है जिसमें एक अफगान सुरक्षा अधिकारी की मौत हो गई। सेना ने ट्वीट करके बताया कि सोमवार को तड़के हुई इस मुठभेड़ में अफगानिस्तान के एक सुरक्षा अधिकारी की मौत हो गई है जबकि तीन अन्य घायल हो गए हैं। उसने बताया कि इस संघर्ष में अमेरिका और जर्मनी के बल भी शामिल हो गए, जर्मनी का कोई सैनिक घायल नहीं हुआ है। अभी इस बारे में कोई सूचना नहीं है कि हमलावर कौन थे। काबुल हवाईअड्डे के बाहरी क्षेत्रों में तैनात तालिबान ने अब तक यहां नाटो या अफगान जवानों पर गोलीबारी नहीं की है। रविवार को काबुल हवाईअड्डे में घुसने का प्रयास कर रही भीड़ में से कम से कम सात लोगों की अफरा-तफरी के दौरान मौत हो गई थी। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद हजारों लोग उसके शासन से बचकर भागने की कोशिश में हैं।

टेनेसी में एक दिन में 17 इंच बारिश, 22 लोगों की मौत तथा अनेक लापता

वेवरली। अमेरिका के मिडिल टेनेसी में 17 इंच बारिश होने के कारण बाढ़ आने से कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई तथा अनेक लोग लापता हैं। रविवार को बचाव दल क्षतिग्रस्त घरों और मलबे के बीच लोगों को तलाशते रहे। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को हुई भारी बारिश में ग्रामीण इलाकों में सड़कें बह गईं, सेलफोन टॉवर उखड़ गए तथा टेलीफोन लाइनें ठप पड़ गईं। हम्फरेज काउंटी स्कूल्स में स्वास्थ्य एवं सुरक्षा निरीक्षण समन्वयक क्रिस्टी ब्राउन ने बताया कि आपातसेवाकर्मी लोगों की घर-घर जाकर तलाश कर रहे हैं। हम्फरेज काउंटी के शेरिफ क्रिस डेविस ने क्षेत्र में 22 लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि जो लोग लापता हैं उनमें से ज्यादातर नजदीक के इलाकों में रहते थे जहां पर पानी सबसे तेजी से बढ़ा। मरने वालों में दो जुड़वां बच्चे हैं। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान सेवा ने बताया कि हम्फरेज काउंटी में शनिवार को एक दिन से भी कम वक्त में करीब 17 इंच बारिश हुई। टेनेसी के गवर्नर बिल ली ने क्षेत्र का दौरा किया।

अगवा किए गए 15 नाइजीरियाई छात्र रिहा : पुलिस

लागोस। नाइजीरियाई पुलिस ने पुष्टि की है कि देश के उत्तर-पश्चिमी राज्य कडुना के एक माध्यमिक विद्यालय से बंदूकधारियों द्वारा अगवा किए गए 15 छात्रों को रिहा कर दिया गया है। कडुना में पुलिस के प्रवक्ता मोहम्मद जलिगे ने रविवार को समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि बेथेल बैपटिस्ट हाई स्कूल के छात्रों को 48 दिनों की कैद के बाद शनिवार की रात रिहा कर दिया गया। रिहा किए गए छात्र 5 जुलाई को कडुना के चिकुन स्थानीय सरकारी क्षेत्र में बेथेल बैपटिस्ट हाई स्कूल से बड़ी संख्या में अज्ञात बंदूकधारियों के हमले के बाद अगवा किए गए छात्रों में से एक थे। कडुना में क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया के अध्यक्ष जॉन जोसेफ हयाब ने मीडिया को बताया कि स्कूल के 15 छात्रों को शनिवार की रात रिहा कर दिया गया, जबकि 65 छात्र अभी भी कैद में हैं, और सीएएन और अन्य हितधारक अभी भी बंदूकधारी से बातचीत कर रहे हैं। हाल के महीनों में नाइजीरिया में बंदूकधारियों के हमलों की एक श्रृंखला हुई है, जिसमें कई मौतें और अपहरण हुए हैं।

कैलिफोर्निया में काल्डोर आग से झुलसी 100,000 एकड़ ज्यादा जमीन

सैन फ्रांसिस्को। कैलिफोर्निया के एल डोराडो काउंटी में फैली काल्डोर आग 104,309 एकड़ में फैल गई है, जिसमें केवल 5 प्रतिशत ही नियंत्रण में बची है। अधिकारियों ने कहा है कि हाईवे 50 में आग लगने के बाद से और घरों और व्यवसायों को खतरा है। एक अंतर्राज्यीय घटना सूचना प्रणाली, इनसीवेब ने रविवार को एक अपडेट में कहा, कैलिफोर्निया में वर्तमान में सबसे सक्रिय आग ने सिएरा नेवादा पर्वत क्षेत्र में राजमार्ग 50 के 64.3 किमी के हिस्से को काट दिया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में एक अंतरमहाद्वीपीय सड़क के रूप में, राजमार्ग 50 का कैलिफोर्निया हिस्सा राज्य की राजधानी और लेक ताहो को जोड़ने वाला एक व्यस्त मार्ग है, जो देश के सबसे प्रसिद्ध पर्यटक आकर्षणों में से एक है। कैलिफोर्निया के वानिकी और अग्नि सुरक्षा विभाग (कैल फायर) ने रविवार को एक ब्रीफिंग में कहा कि वे निकट भविष्य में राजमार्ग 50 को फिर से खोलने की उम्मीद नहीं करते हैं, क्योंकि आग अभी भी सड़क के किनारे के समुदायों और उस सड़क पर यात्रा करने वालों के लिए खतरा है। रविवार तक, कैल फायर ने कहा कि 328 संरचनाओं के नष्ट होने की पुष्टि हुई है, और 13,114 संरचनाओं को खतरा बना हुआ है। स्थानीय केसीआए 3 समाचार चैनल के एक वीडियो में दिखाया गया है कि ग्रिजली फ्लैट्स, कभी जंगली इलाका था, जिसे लगभग 1,200 लोग घर कहते थे, पिछले मंगलवार को आग लगने के बाद अब शायद ही पहचानने योग्य हो।

साउथ कोरिया, अमेरिकी परमाणु दूतों ने प्योंगयांग को मानवीय सहायता देने पर चर्चा की

सियोल। उत्तर कोरिया को मानवीय सहायता देने पर दक्षिण कोरिया और अमेरिका के परमाणु दूतों ने सोमवार को मुलाकात की और प्योंगयांग से वार्ता की मेज पर लौटने का आग्रह किया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरिया के लिए अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि सुंग किम, जो 21 अगस्त को चार दिवसीय यात्रा पर सियोल पहुंचे, ने कोरियाई प्रायद्वीप शांति और सुरक्षा मामलों के लिए दक्षिण कोरिया के विशेष प्रतिनिधि नोह क्यू-डुक के साथ बैठक की। समाचार एजेंसी ने बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में किम के हवाले से कहा कि हमने उत्तर कोरिया को संभावित मानवीय सहायता पर चर्चा की। किम ने अंतर-कोरियाई संवाद और जुड़ाव के लिए अमेरिकी समर्थन की पुष्टि करते हुए कहा कि वाशिंगटन अंतर-कोरियाई मानवीय सहयोग परियोजनाओं को समर्थन देना जारी रखेगा।

अफगानिस्तान से लोगों को लाने में तेजी, दो अफगान सांसदों समेत 392 लोगों को भारत लाया गया

काबुल/नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद काबुल में खराब होती सुरक्षा स्थिति की पृष्ठभूमि में भारत अफगान राजधानी से अपने नागरिकों को बाहर निकालने के अपने प्रयासों के तहत तीन उड़ानों के जरिए दो अफगान सांसदों समेत 392 लोगों को रविवार को देश वापस ले आया। इस बीच कतर में भारतीय दूतावास ने आज शाम कहा कि 146 भारतीय नागरिक, जिन्हें अफगानिस्तान से निकालकर दोहा ले जाया गया था, उन्हें रविवार रात भारत वापस लाया जा रहा है। भारतीय वायुसेना के सी-17 सैन्य परिवहन विमान के जरिए 107 भारतीयों और 23 अफगान सिखों एवं हिंदुओं समेत कुल 168 लोगों को सुबह काबुल से दिल्ली के निकट हिंडन वायुसेना अड्डे पर लाया गया। अधिकारियों ने बताया कि 87 भारतीयों और दो नेपाली नागरिकों के एक अन्य समूह को दुशाम्बे से एअर इंडिया के एक विशेष विमान से वापस लाया गया। इससे एक दिन पहले उन्हें भारतीय वायु सेना के एक विमान आईएएफ 130जे के जरिए ताजिकिस्तान की राजधानी दुशाम्बे ले जाया गया था। इस बीच, अमेरिका और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के विमान के जरिए पिछले कुछ दिन में काबुल से दोहा ले जाए गए 135 भारतीयों के एक समूह को एक विशेष विमान से दोहा से दिल्ली लाया गया। भारत ने अमेरिका, कतर, ताजिकिस्तान और कई अन्य मित्र देशों के साथ समन्वय स्थापित करके अफगानिस्तान से लोगों को बाहर निकालने का अभियान चलाया। कतर में भारतीय मिशन ने रात लगभग आठ बजे ट्वीट किया, ''अफगानिस्तान से भारतीयों को वापस लाया जा रहा है। अफगानिस्तान से दोहा लाए गए 146 भारतीय नागरिकों का दूसरा समूह आज भारत वापस लाया जा रहा है।'' सूत्रों ने बताया कि दोहा से आने वाला दूसरा समूह चार अलग-अलग उड़ानों के जरिए दिल्ली पहुंचेगा जोकि राष्ट्रीय राजधानी में रविवार मध्यरात्रि के बाद से लेकर सोमवार तड़के करीब 5-10 बजे के बीच उतरेंगी। अफगानिस्तान से लोगों को बाहर निकालने के अभियान से अवगत अधिकारियों ने बताया कि काबुल से लाए गए 168 लोगों के समूह में अफगान सांसदों अनारकली होनारयार और नरेंद्र सिंह खालसा एवं उनके परिवार भी शामिल हैं। खालसा ने दिल्ली के निकट हिंडन एयरबेस पर पत्रकारों से कहा, ''भारत हमारा दूसरा घर है। भले ही हम अफगान हैं और उस देश में रहते हैं लेकिन लोग अक्सर हमें हिंदुस्तानी कहते हैं। मदद के लिए हाथ बढ़ाने के लिए मैं भारत को धन्यवाद देता हूं।''

उन्होंने कहा, ''मुझे रोने का मन कर रहा है। सब कुछ समाप्त हो गया है। देश छोड़ने का यह एक बहुत ही कठिन और दर्दनाक निर्णय है। हमने ऐसी स्थिति नहीं देखी है। सब कुछ छीन लिया गया है। सब खत्म हो गया है।'' रविवार को लोगों को निकाले जाने के साथ ही काबुल से भारत द्वारा निकाले गए लोगों की संख्या पिछले सोमवार से लगभग 590 तक पहुंच गई। भारत में अफगानिस्तान के राजदूत फरीद मामुन्दजई ने समर्थन के संदेशों के लिए भारतीय मित्रों को ट्विटर पर धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ''मैं पिछले कुछ हफ्तों, विशेषकर पिछले 7-8 दिनों में अफगानों की पीड़ा पर सभी भारतीय मित्रों और नई दिल्ली में राजनयिक मिशनों के सहानुभूति और समर्थन संदेशों की सराहना करता हूं।''मामुन्दजई ने कहा कि उनका देश एक कठिन समय से गुजर रहा है और केवल बेहतर नेतृत्व, सहानुभूतिपूर्ण रवैये और अफगान लोगों के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन से ही ''मुसीबतों'' का अंत होगा। उन्होंने कहा, ''अफगानिस्तान एक कठिन समय से गुजर रहा है, और केवल अच्छा नेतृत्व, सहानुभूतिपूर्ण रवैये और अफगान लोगों के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन से ही इन दुखों को कुछ हद तक समाप्त किया जा सकता है।'' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने विमान के हिंडन में उतरने से कुछ घंटों पहले ट्वीट किया, ''भारतीयों को वापस लाने का अभियान जारी है। भारत के 107 नागरिकों समेत 168 यात्री भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से काबुल से दिल्ली लाए जा रहे हैं।'' ऐसा बताया जा रहा है कि काबुल से दोहा लाए गए भारतीय अफगानिस्तान स्थित कई विदेशी कंपनियों के कर्मी हैं। बागची ने देर रात करीब एक बजकर 20 मिनट पर ट्वीट किया था, ''अफगानिस्तान से भारतीयों को वापस लाया जा रहा है। एआई1956 विमान ताजिकिस्तान से कुल 87 भारतीयों को नयी दिल्ली ला रहा है। दो नेपाली नागरिकों को भी लाया जा रहा है।

इसमें दुशाम्बे में स्थित भारत के दूतावास ने सहायता की। लोगों को निकालने के लिए और उड़ानों का प्रबंधन किया जाएगा।'' तालिबान के पिछले रविवार को काबुल पर कब्जा जमाने के बाद भारत अफगान राजधानी से पहले ही भारतीय राजदूत और दूतावास के अन्य कर्मियों समेत 200 लोगों को वायुसेना के दो सी-19 परिवहन विमानों के जरिये वहां से निकाल चुका है। सोमवार को 40 से ज्यादा भारतीयों को लेकर पहली उड़ान भारत पहुंची थी। भारतीय राजनयिकों, अधिकारियों एवं सुरक्षाकर्मियों और वहां फंसे कुछ भारतीयों समेत करीब 150 लोगों के साथ दूसरा सी-17 विमान मंगलवार को भारत पहुंचा था। अमेरिकी सैनिकों की स्वदेश वापसी की पृष्ठभूमि में तालिबान ने अफगानिस्तान में इस महीने तेजी से अपने पांव पसारते हुए राजधानी काबुल समेत वहां के अधिकतर इलाकों पर कब्जा जमा लिया है। इन लोगों की वापसी के बाद विदेश मंत्रालय ने कहा था कि अब ध्यान अफगानिस्तान की राजधानी से सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने पर होगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार के लिए तात्कालिक प्राथमिकता अफगानिस्तान में फिलहाल रह रहे सभी भारतीय नागरिकों के बारे में सटीक सूचना प्राप्त करना है। मंत्रालय ने भारतीयों के साथ ही उनके नियोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे विशेष अफगानिस्तान प्रकोष्ठ के साथ प्रासंगिक विवरण तत्काल साझा करें।

सिंगापुर की राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगी कमला हैरिस, एशिया की यात्रा हुई शुरू

सिंगापुर। (एजेंसी)।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस सिंगापुर की राष्ट्रपति और वहां के प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात कर दक्षिणपूर्व एशिया की अपनी यात्रा का आरंभ करेंगी। मुलाकात के दौरान क्षेत्र में प्रमुख सहयोगियों के साथ संबंधों को मजबूत करने तथा अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी से उत्पन्न चुनौतियों पर भी चर्चा की जाएगी। हैरिस सिंगापुर के बाद वियतनाम जाएंगी। इस यात्रा का उद्देश्य क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए सिंगापुर और वियतनाम के साथ सहयोग बढ़ाना है। उपराष्ट्रपति सोमवार सुबह सिंगापुर की राष्ट्रपति हलीमा याकूब और सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग के साथ मुलाकात के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन भी करेंगी। इसके बाद वह 'चांगी नेवल बेस' जाएंगी, जहां वह एक लड़ाकू जहाज 'यूएसएस टुल्सा' पर सवार अमेरिकी नाविकों से बातचीत करेंगी। हैरिस मंगलवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए एक भाषण देंगी और आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए व्यापार जगत के लोगों से मिलेंगी। यह हैरिस की दूसरी विदेश यात्रा है। जून में वह ग्वाटेमाला और मैक्सिको की यात्रा पर गईं थी। यह पहली बार होगा जब कोई अमेरिकी उपराष्ट्रपति वियतनाम की यात्रा पर जाएगा।

हजारों लोगों को हवाई मार्ग से लाने का काम कर रही अमेरिका, बाइडे ने कहा- कठिन एवं पीड़ादायी है सबकुछ

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन का कहना है कि अफगानिस्तान की राजधानी से अमेरिकियों और हजारों अन्य लोगों को हवाई मार्ग से लाने का '' कठिन एवं पीड़ादायी'' काम तेजी से चल रहा है। साथ ही उन्होंने तनावग्रस्त देश से इस अभियान को 31 अगस्त की समय सीमा से आगे चलाने की संभावना को भी नहीं नकारा। बाइडेन ने रविवार को व्हाइट हाउस में युद्ध समाप्त करने के अपने फैसले का बचाव किया और जोर देकर कहा कि सभी अमेरिकियों को देश से बाहर निकालना सबसे अच्छी परिस्थितियों में मुश्किल होता। आलोचकों ने विलंब से निकासी अभियान शुरू करने को लेकर बाइडन की काफी आलोचना की है। बाइडेन ने कहा, '' काबुल से हजारों लोगों की वापसी का काम कठिन एवं पीड़ादायी होने वाला है। चाहे वह कभी भी शुरू होता। टेलीविजन पर दिखाई जा रहीं दर्दनाक एवं दिल दहला देने वाली तस्वीरों के बिना इतने सारे लोगों को निकालने का कोई तरीका नहीं था।'' बाइडेन ने कहा कि हवाई मार्ग से लोगों को वापस लाने के काम को 31 अगस्त की समय सीमा से आगे बढ़ाने के संबंध में सैन्य चर्चा जारी है। उन्होंने कहा, '' हमें उम्मीद है कि हमें इसे बढ़ाना नहीं पड़ेगा लेकिन फिर भी चर्चाएं जारी हैं।''

व्हाइट हाउस ने रविवार को एक बयान में कहा था कि सात सी-17 और एक सी-130 अमेरिकी सैन्य विमानों ने दोपहर तीन बजे (ईस्टर्न टाइम ज़ोन समयानुसार) तक 12 घंटे की अवधि में हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से करीब 1700 यात्रियों को निकाला। इसके अलावा, 39 गठबंधन विमानों ने लगभग 3,400 यात्रियों के साथ उड़ान भरी। बाइडन ने बताया कि शनिवार को काबुल से 23 अमेरिकी सैन्य विमानों ने 3900 अमेरिकियों को लेकर उड़ान भरी। इससे पहले, अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद वहां पैदा हुए संकट के बीच बाइडन ने युद्धग्रस्त देश से अपने बलों की वापसी के कदम को सही ठहराते हुए कहा कि इतिहास में यह कदम ''तार्किक और उचित निर्णय'' के रूप के दर्ज किया जाएगा। अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी के फैसले के कारण बाइडन प्रशासन की आलोचना हो रही है, क्योंकि बलों के लौटने के कारण तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया है, जिससे देश में अराजकता फैल गई है।

तालिबान ने अमेरिका को दी धमकी, 31 अगस्त तक हटाए अपनी सेना नहीं तो परिणाम भुगतने के लिए रहे तैयार

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के अधिकतर प्रांतों पर तालिबान का कब्जा है। राष्ट्रपति अशरफ गनी देश छोड़कर सयुक्त अरब अमीरात (यूएई) चले गए हैं। इसी बीच तालिबान ने अमेरिका को धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका अपनी फौज को 31 अगस्त तक हटाए नहीं तो गंभीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे।

दरअसल, अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद अफरा तफरी का माहौल है। वहां पर मौजूद ज्यादातर लोग देश छोड़ने के लिए विवश हैं। ऐसे में काबुल हवाई अड्डे पर भारी तादाद में लोग मौजूद हैं। इसी बीच तालिबान के प्रवक्ता सोहेल शाहीन ने कतर में बैठकर अमेरिका को धमकी दी है।

काबुल हवाई अड्डे में मौजूद है अमेरिकी सेना

आपको बता दें अमेरिका ने काबुल हवाईअड्डे को अपने अधिकार में रखा है ताकि सैन्य विमानों समेत अन्य विमान उड़ान भर सकें। काबुल में अभी अमेरिका के करीब 6,000 सैनिक तैनात हैं। दरअसल, अमेरिकी सैनिक 82वीं एयरबॉर्न रनवे को सुरक्षा मुहैया करवा रही है, सेना की 10वीं माउंटेन डिविजन हवाईअड्डे की सुरक्षा में तैनात है तथा 24वीं मरीन इकाई असैन्य नागरिकों की निकासी में मदद दे रही है।

अपने लोगों को लगातार निकाल रहा अमेरिका

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हाल ही में कहा था कि अमेरिका जुलाई से 18,000 से अधिक लोगों को अफगानिस्तान से निकाल चुका है और 14 अगस्त को सेना द्वारा हवाईमार्ग से निकासी का कार्य शुरू होने के बाद से करीब 13,000 लोगों को निकाला जा चुका है। बाइडन ने अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी के अपने फैसले का बचाव भी जारी रखा है।

अफगानिस्तान के काबुल से 120 लोग पहुंचे कजाखस्तान, जरूरतमंद लोगों को सहायता दे रहा यूएन

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र ने अफगानिस्तान के काबुल से 120 लोगों को कजाखस्तान के अल्माटी पहुंचाया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि बीते हफ्ते में यह इस तरह की दूसरी उड़ान थी। दुजारिक ने रविवार को संवाददाताओं को सूचित किया कि संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और अफगानिस्तान में संरा के सहयोगियों के रूप मे काम करने वाले कई गैर-सरकारी संगठनों के सदस्यों समेत 120 लोगों को काबुल से निकाला गया। उन्होंने बताया कि संरा ने इन लोगों को 22 अगस्त को काबुल से अल्माटी पहुंचाया गया था। इसके कुछ दिन पहले संरा ने अपने 100 जवानों को काबुल में 'सुरक्षा एवं अन्य अवरोधकों' के मद्देनजर अफगानिस्तान से कजाखस्तान भेजा था। दुजारिक ने कहा, ''संरा के अधिकारियों का एक हिस्सा जो आज काबुल से रवाना हुआ वह अल्माटी में रहकर काम करता रहेगा।'' विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र का ''अभी ध्यान वहां मौजूद अपने हजारों जवानों और सहयोगियों की सुरक्षा पर है और लाखों जरूरतमंद अफगान लोगों को आवश्यक मानवीय सहायता तथा अन्य तरह की मदद मुहैया करवाने पर है।'' पिछले हफ्ते, दुजारिक ने संवाददाताओं को बताया था कि संरा के 100 कर्मियों को काबुल से अल्माटी भेजा गया है जहां रहकर वह काम करते रहेंगे। दुजारिक ने कहा, ''जैसा कि संरा महासचिव ने 16 अगस्त को सुरक्षा परिषद को बताया था, अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र की मौजूदगी सुरक्षा हालात के अनुरूप होगी। काबुल तथा देश के अन्य हिस्सों में वर्तमान में सुरक्षा एवं अन्य अवरोधकों के मद्देनजर, संरा कर्मियों के एक हिस्से को देश से बाहर ले जाने का फैसला किया गया। हालात को देखते हुए जवानों को अफगानिस्तान वापस भेजा जाएगा।'' उन्होंने कहा कि अधिकतर मानवीय सेवा कर्मी अफगानिस्तान में ही हैं और लाखों जरूरतमंद लोगों को अहम सहायता दे रहे हैं।

पाकिस्तान के सहयोग से अफगानिस्तान पर तालिबान ने किया कब्जा! अमेरिका के सांसद का खुलासा

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के एक शीर्ष रिपब्लिकन सांसद स्टीव चाबोट ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान और उसकी गुप्तचर सेवा ने अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद को उस संगठन की जीत का जश्न मनाते देखना बेहद घृणित करने वाला है, जो अफगानिस्तान के लोगों के लिए ''अनकही क्रूरता'' लाएगा। 'इंडिया कॉकस' के सह-अध्यक्ष चाबोट ने 'हिंदू पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' के रविवार को एक ऑनलाइन कार्यक्रम में भारत के अफगानिस्तान के उन धार्मिक अल्पसंख्यकों का स्वागत करने के कदम की सराहना की, जिनके पास तालिबान के शासन से डरने के उचित कारण हैं। चाबोट ने कहा, '' इससे उलट,हम सभी को पता है कि पाकिस्तान और खासकर उसकी गुप्तचर सेवा ने तालिबान के पैर पसारने और देश पर कब्जा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पाकिस्तानी अधिकारियों को उस संगठन की जीत का जश्न मनाते देखना बेहद घृणित करने वाला है, जो अफगानिस्तान के लोगों के लिए अनकही क्रूरता लेकर लाएगा।'' उन्होंने कहा, '' हालांकि, पाकिस्तान द्वारा धार्मिक अल्पसंख्यकों पर किए जा रहे उत्पीड़न पर यहां अमेरिका में बहुत कम ध्यान दिया जाता है..अच्छा होगा कि हम अपने साथी नागरिकों को इन दुर्व्यवहारों के बारे में जानकारी दें। अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन और कम उम्र की हिंदू लड़कियों का बड़े उम्र के मुस्लिम पुरुषों से जबरन विवाह करने की जघन्य प्रथा इस तरह के उत्पीड़न को उजागर करती है।'' उन्होंने कहा कि इस तरह के आरोप महज अफवाह नहीं है। रिपब्लिकन सांसद ने कहा कि प्रमुख समाचार संगठनों और मानवाधिकार समूहों ने इन प्रथाओं को उजागर किया है, जिसमें लड़कियों को किशोरावस्था में उनके परिवारों से अलग कर देना और उनका जबरन विवाह कराने जैसी दिल दहला देने वाली कहानियां शामिल हैं। इन उत्पीड़नों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। चाबोट ने कहा कि अमेरिका में करीब 60 लाख हिंदू हैं और पूरे देश में हिंदू निर्विवाद रूप से समाज का एक अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा, '' मजबूत कार्य नैतिकता एवं उच्च शिक्षा प्राप्त कर हिंदू अमेरिकी सपने को साकार करने में भूमिका निभाते हैं। ये गुण हिंदुओं को देशभर के समुदायों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का मौका देता है और वे उन समुदायों की कई तरह से मदद भी करते हैं।'' उन्होंने कहा कि यही कारण है कि देशभर में हिंदू अमेरिकियों के खिलाफ भेदभाव में वृद्धि की खबरें इतनी चिंताजनक हैं। इस तरह के भेदभाव की अमेरिका में कोई जगह नहीं है। चाबोट ने कहा, '' हम सभी को इसे खत्म करने के तरीके तलाशने चाहिए।

थाईलैंड के पर्यटन स्थल पत्ताया के फिर से खुलने की संभावना पर लगा विराम

जकार्ता (एजेंसी)।

थाईलैंड के पर्यटन स्थल पत्ताया को कोविड टीका लगवा चुके यात्रियों के लिए 1 सितंबर से फिर से खोले जाने की योजना थी, मगर उस पर फिलहाल विराम लग गया है, क्योंकि शहर के स्थानीय लोगों के बीच पर्याप्त टीकाकरण होना अभी बाकी है और कोविड-19 के नए मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय मीडिया ने सोमवार को थाईलैंड के पर्यटन प्राधिकरण (टीएटी) में डिजिटलाइजेशन अनुसंधान और विकास के डिप्टी गवर्नर अपिचई चटचलरमकिट के हवाले से कहा, अधिकारी अभी भी अक्टूबर में रिसॉर्ट शहर को फिर से खोलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी तरह का एक संदेश 21 अगस्त को पत्ताया बिजनेस एंड टूरिज्म एसोसिएशन के अध्यक्ष बुन-आन फथानासिन द्वारा भी घोषित किया गया था, क्योंकि उन्होंने संकेत दिया था कि पर्यटन स्थल को फिर से खोलने से पहले शहर को अपनी आबादी के कम से कम 70 प्रतिशत को कोविड-19 के खिलाफ टीका लगाने की जरूरत है। चोन बरी प्रांत में टीकाकरण दर, जहां पत्ताया स्थित है, अपनी आबादी का सिर्फ 33 प्रतिशत तक पहुंच गया है, 70 प्रतिशत के घोषित लक्ष्य को प्राप्त करने से पहले एक लंबा रास्ता तय करना है। प्राधिकरण दैनिक संक्रमणों में वृद्धि से भी निपट रहा है, जो जुलाई के अंत से 1,000 मामलों से अधिक हो गया है। वायरस से संक्रमित लोगों के उपचार के लिए शहर ने सक्रिय मामलों की ट्रैकिंग तेज कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नए श्रम कानून

1 अक्टूबर 2021 से बदल जाएंगे श्रम कानून, टेक होम सैलरी में आएगी कमी

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार 1 अक्टूबर से पूरे देश में नए श्रम कानूनों को लागू करने वाली है। मोदी सरकार लागू करने से पहले इसके नियमों को और ज्यादा फाइन-ट्यून करने में जुटी है, ताकि लागू होने के बाद कोई दिक्कत नहीं आए। बता दें कि पहले इस 1 अप्रैल से लागू किया जाना था, फिर जुलाई में लागू करने की चर्चा ने जोर पकड़ा, अब इस 1 अक्टूबर से लागू करने की तैयारी है। यानी 1 अक्टूबर से नौकरीपेशा लोगों के सैलरी स्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। कर्मचारियों की टेक होम सैलरी में कमी आ सकती है। इसके अलावा काम के घंटे, ओवरटाइम, ब्रेक टाइम जैसी चीजों को लेकर भी नए लेबर कोड में प्रावधान किए गए हैं। मोदी सरकार ने 29 श्रम कानूनों को मिलाकर 4 नए वेज कोड तैयार किए हैं। संसद ने अगस्त 2019 को तीन लेबर कोड इंडस्ट्रियल रिलेशन, काम की सुरक्षा, हेल्थ और वर्किंग कंडीशन और सोशल सिक्योरिटी से जुड़े नियमों में बदलाव किया था। ये नियम सितंबर 2020 को पास हो गए थे। ये चार कोड हैं, पहला कोड ऑन वेजेज, दूसरा इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, तीसरा ऑक्वे यूपेशनल सेफ्टी एंड हेल्थ और चौथा सोशल सिक्वे योरिटी कोड है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक ये सभी कोड एक साथ ही लागू किए जाएंगे। वेज कोड एक्ट 2019 के मुताबिक, किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी कंपनी की लागत के 50 प्रतिशत से कम नहीं हो सकती है। अभी कई कंपनियां बेसिक सैलरी को काफी कम करके ऊपर से भत्ते ज्यादा देती हैं ताकि कंपनी पर बोझ कम पड़े। नए ड्राफ्ट कानून में 15 से 30 मिनट के बीच के अतिरिक्त कामकाज को भी 30 मिनट गिनकर ओवरटाइम में शामिल करने का प्रावधान है। मौजूदा नियम में 30 मिनट से कम समय को ओवरटाइम योग्य नहीं माना गया है। ड्राफ्ट नियमों में किसी भी कर्मचारी से 5 घंटे से ज्यादा लगातार काम नहीं कराया जा सकता है। हर पांच घंटे के बाद उस 30 मिनट का ब्रेक देना अनिवार्य किया गया है। वेज कोड एक्ट 2019 के लागू होने के बाद कर्मचारियों का सैलरी स्ट्रक्चर पूरी तरह बदल जाएगा। कर्मचारियों की टेक होम सैलरी घट जाएगी, क्योंकि बैसिक पे बढ़ने से कर्मचारियों का पीएफ ज्यादा कटेगा

यानी उनका भविष्य ज्यादा सुरक्षित हो जाएगा। पीएफ के साथ-साथ ग्रैच्युटी में भी योगदान बढ़ जाएगा। यानी टेक होम सैलरी जरूर घटेगी लेकिन कर्मचारी को रिटायरमेंट पर ज्यादा रकम मिलेगी। असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए भी नया वेज कोड लागू होगा।

देश में कई राज्यों ने कोविड प्रोटोकॉल में ढील देकर लाकडाउन को आगे बढ़ाया

नई दिल्ली । देश में कोरोना के मामलों में गिरावट के साथ ही राज्य सरकारों ने अपने यहां लगी पाबंदियों में ढ़ील देनी शुरू कर दी है। कई राज्यों में कम होते मामलों को देखकर स्कूल और कालेजों को खोल दिया है, जबकि कुछ राज्यों ने खोलने के संकेत दिए हैं। जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, तमिलनाडू और मिजोरम ने एक बार फिर राज्य में जारी लाकडाउन की अवधी को बढ़ाने का फैसला लिया है। हालांकि इस दौरान राज्यों ने लोगों की सुविधाओं को देखकर नियमों में ढ़ील भी दी है।

जम्मू-कश्मीर राज्य कार्यकारिणी समिति (एसइसी) ने रात के कर्फ्यू सहित अधिकांश कोविड-रोकथाम उपायों को बरकरार रखकर पूरे केंद्र शासित प्रदेश में 'ब्लाक दिवस को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। ब्लाक दिवस जम्मू और कश्मीर प्रशासन के महत्वाकांक्षी 'जन अभियान' कार्यक्रम का एक हिस्सा है, जिसके दौरान संबंधित जिला विकास आयुक्त और अन्य अधिकारी जनता के मुद्दों,शिकायतों और मांगों को सुनते हैं। इसके अलावा वैक्सीन की दोनों खुराक ले चुके कर्मचारियों और छात्रों के लिए शैक्षणिक संस्थानों को चरणबद्ध तरीके से फिर से खोलने पर विचार किया जा रहा है।

हरियाणा सरकार ने रविवार को पहले दी गई विभिन्न छूटों को जारी रखने की अनुमति देकर कोरोना लाकडाउन को एक पखवाड़े के लिए बढ़ा दिया है। राज्य सरकार की तरफ से दी गई छूट में रेस्तरां, बार, माल, क्लब हाउस और दुकानें खोलना शामिल है। मुख्य सचिव विजय वर्धन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि महामारी अलर्ट को एक और पखवाड़े के लिए बढ़ाया गया है, जो कि 23 अगस्त (सुबह 5 बजे) से हरियाणा राज्य में 6 सितंबर (सुबह 5 बजे) तक लगू रहेगा। तमिलनाडु सरकार ने शनिवार को कोरोना लॉकडाउन को दो सप्ताह और बढ़ाकर छह सितंबर कर दिया है। इसके साथ ही 23 अगस्त से सिनेमाघरों तथा एक सितंबर से शैक्षणिक संस्थानों को खोलने की अनुमति दी गई है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता के बाद लाकडाउन को बढ़ाने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि कक्षा 9 से 12 के छात्रों के लिए स्कूल 1 सितंबर से 50 प्रतिशत क्षमता के साथ स्कूल फिर से खुलने हैं। वहीं, कक्षा 1 से 8 के लिए स्कूल फिर से खोलने पर फैसला 15 सितंबर के बाद किया जाएगा।

क्या पाकिस्तान के स्लीपर सेल हैं दिग्विजय : सारंग

भोपाल ।

मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले से एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमे पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे हैं। इस मामले में छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने इस वीडियो को फर्जी बताते हुए कहा है कि वहां पर क़ाज़ी साहब ज़िंदाबाद के नारे लगाए गए थे न कि पाकिस्तान ज़िंदाबाद के। इसके बाद प्रदेश की राजनीति में उबाल आ गया है। दिग्विजय सिंह ने पुलिस की करवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि करवाई करने से पहले पुलिस को वास्तविकता का पता लगा लेना चाहिए था। उन्होंने ट्वीट किया-फेक न्यूज़ के आधार पर क़ाज़ी साहब ज़िंदाबाद को पाकिस्तान ज़िंदाबाद बता कर कई लोगों पर मुक़दमे दायर हो गए। मप्र पुलिस को कार्रवाई करने के पूर्व वास्तविकता का पता लगा लेना चाहिए था। यदि गिरफ़्तारी हुई है तो प्रकरण वापस लेना चाहिए। वहीं प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने दिग्विजय सिंह पर हमला करते हुए उन्हें पाकिस्तान का स्लीपर सेल बताया है। सारंग ने कहा है कि इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण और क्या होगा की दिग्विजय सिंह हर समय पाकिस्तान परस्ती की बात करते हैं। चाहे कन्हैया कुमार की बात हो या हाफिज सईद की बात हो या फिर अब उज्जैन की घटना की बात हो उनके पेट में तब दर्द हो जाता है जब देशद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई होती है। विश्वास सारंग ने कहा क्या दिग्विजय सिंह पाकिस्तान के स्लीपर सेल हैं?

महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के 4,141 नए मामले, 145 मरीजों की मौत

मुंबई । महाराष्ट्र में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 4,141 नये मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या 64,24,651 पर पहुंच गई जबकि महामारी से 145 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 1,35,962 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि दिन के दौरान कुल 4,780 लोगों को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। इसके साथ, राज्य में स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 62,31,999 हो गई। महाराष्ट्र में ठीक होने की दर 97 फीसदी है, जबकि मृत्यु दर 2.11 फीसदी है। मुंबई में रविवार को महामारी के 294 मामले सामने आये और एक मरीज की मौत हुई जिससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 7,41,164 हो गई और मृतक संख्या 15,947 पर पहुंच गई। मुंबई संभाग, जिसमें महानगर और उसके आसपास के क्षेत्र शामिल हैं, में 683 मामले सामने आये और छह मरीजों की मौत हुई जिससे इस क्षेत्र में मामलों की संख्या बढ़कर 16,57,144 हो गई और मृतकों की संख्या 34,845 पर पहुंच गई। विभाग ने कहा नासिक संभाग में दिन के दौरान 586 मामले सामने आये जिनमें अहमदनगर जिले में आये 518 मामले शामिल है जबकि पुणे संभाग में 1,886 नये मामले सामने आये। कोल्हापुर संभाग में 765 मामले सामने आये।

किसान आंदोलन के चलते बंद सड़कों की समस्या का समाधान ढूंढे केंद्र सरकार: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वह 3 कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलनकारी किसानों के प्रदर्शन के चलते आवाजाही के लिए बंद की गई सड़कों की समस्या का समाधान ढूंढे। अदालत ने यह निर्देश नोएडा के एक निवासी की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में नोएडा से दिल्ली का मार्ग खाली रखना सुनिश्चित करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता का कहना है कि नोएडा से दिल्ली को जोड़ने वाली सड़कें किसान आंदोलन की वजह से बंद हैं और इसकी वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन्हें तत्काल खोला जाना चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर अब तक सड़कें बंद क्यों हैं। प्रदर्शन करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन सड़कें बंद नहीं होनी चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा, 'किसानों को प्रदर्शन का अधिकार है लेकिन सड़कों को अनिश्चितकाल के लिए बंद नहीं किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, ' इसका समाधान केंद्र सरकार और संबंधित राज्य के हाथ में है। चाहे वजह कोई भी हो, सड़कों को ब्लॉक नहीं किया जा सकता है।' इसम मामले में केंद्र सरकार को समाधान ढूंढकर अदालत को रिपोर्ट करने को कहा गया है। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा, 'किसानों को प्रदर्शन का अधिकार है लेकिन सड़कों को अनिश्चितकाल के लिए बंद नहीं किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'इसका समाधान केंद्र सरकार और संबंधित राज्य के हाथ में है। चाहे वजह कोई भी हो, सड़कों को ब्लॉक नहीं किया जा सकता है।' इसम मामले में केंद्र सरकार को समाधान ढूंढकर अदालत को रिपोर्ट करने को कहा गया है। यूपी सरकार ने मामले में अदालत को बताया है कि प्रदर्शनकारी किसानों से बात कर उन्हें सड़क खाली करने के लिए समझाने की कोशिश की जा रही है। यूपी सरकार ने कहा कि वो प्रदर्शनकारियों को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि उनका इसकी वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन्हें तत्काल खोला जाना चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर अब तक सड़कें बंद क्यों हैं। प्रदर्शन करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन सड़कें बंद नहीं होनी चाहिए। साथ ही कोर्ट ने केंद्र सरकार और तीन संबंधित राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि वे समन्वय स्थापित करें और रोड ब्लॉक को खत्म कराने का प्रयास करें। समाधान केंद्र सरकार और संबंधित राज्यों के हाथ में है। किसी भी कारण से सड़कों को बंद नहीं किया

जाना चाहिए। मसले के समाधान के लिए केंद्र को समय दिया जाता है। वह इस मसले का समाधान करे और हमें रिपोर्ट सौंपे।

सियासत में करीब आ रहे हैं आप और सीएम नीतीश कुमार

नई दिल्ली।

जाति आधारित जनगणना को लेकर बिहार के 10 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री से मिलने के बाद बाहर निकले सीएम नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक सुर में बात की। दोनों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गौर से सुना है। अब उन्हें इस पर फैसला लेना चाहिए। उन्हें उनके निर्णय का इंतजार है। इस दौरान तेजस्वी यादव से मीडिया ने नीतीश कुमार के साथ बढ़ रही नजदीकियों पर सवाल किया। तेजस्वी से पूछा कि क्या आप और नीतीश कुमार सियासी तौर पर नजदीक आ रहे हैं, क्योंकि मुद्दे मिल रहे हैं। इस पर तेजस्वी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि राष्ट्रीय हित और विकास के मुद्दों पर विपक्ष हमेशा सरकार का साथ देने को तैयार रहता है। उन्होंने कहा कि हमने तो कोरोना काल में सरकार से मदद की पेशकश की थी। कहा था कि जहां भी मदद की जरूरत होगी राजद तैयार है।

गौरतलब है कि एक समय में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव सरकार में साथ थे। बाद में नीतीश कुमार ने राजद का दामन छोड़कर भाजपा के साथ सरकार बना ली। जातिगत जनगणना के मुद्दे पर साथ आए सीएम नीतीश और तेजस्वी यादव ने सोमवार को एक-बार फिर एक-दूसरे को धन्यवाद दिया। सीएम नीतीश ने कहा कि इस मुद्दे पर पीएम से मिलने का प्रस्ताव नेता प्रतिपक्ष का था।

उन्होंने ही विपक्ष के तमाम नेताओं से मिलकर सबको एकजुट किया। वहीं तेजस्वी यादव ने कहा कि मुलाकात का समय देने के लिए प्रधानमंत्री और हमारे प्रस्ताव पर पीएम से मुलाकात का समय मांगने और आज प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई करने के लिए सीएम नीतीश कुमार का बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि विपक्ष राष्ट्रीय हित के सभी मुद्दों पर सरकार के साथ है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी हमने सरकार से मदद की पेशकश की थी।

सीएम के साथ पीएम से मिलने गए प्रतिनिधिमंडल में 10 दलों के नेता शामिल रहे। इसमें सीएम नीतीश के अलावा नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, जेडीयू के विजय कुमार चौधरी, भाजपा के जनक राम, कांग्रेस के अजीत शर्मा, भाकपा माले के महबूब आलम, एआईएमआईएम अख्तरुल ईमान, हम के जीतन राम मांझी, वीआईपी के मुकेश सहनी, भाकपा के सूर्यकांत पासवान और माकपा के अजय कुमार शामिल रहे।

महाराष्ट्र- जन्माष्टमी पर दही-हांडी आयोजन की इजाजत नहीं

-सीएम ठाकरे बोले- स्वास्थ्य दें प्राथमिकता

मुंबई।

महाराष्ट्र के सबसे बड़े सार्वजनिक आयोजन में शामिल जन्माष्टमी पर्व के मौके पर दही-हांडी का सालाना कार्यक्रम नहीं होगा। दरअसल मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य के मंडलों से अपील की है कि मानवीयता के आधार पर वे लोगों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और कुछ और वक्त के लिए त्योहारी कार्यक्रम से दूर ही रहें। ठाकरे ने सोमवार को मंडल अधिकारी के साथ हुई मीटिंग में कहा कि कोरोना महामारी के चलते लोग अभी भी आजीविका के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बता दें कि महाराष्ट्र में मंडल और गोविंदा समूहों ने राज्य सरकार से गुजारिश की थी कि छोटे पैमाने पर ही सही दही हांडी कार्यक्रम के लिए उन्हें अनुमति दें, क्योंकि प्रैक्टिस सेशन पहले से ही आरंभ हो चुके हैं। पिछले हफ्ते राज्य के मंत्री आदित्य ठाकरे के साथ मीटिंग में दही हांडी को-ऑर्डिनेशन कमेटी ने कहा था कि वे लोग दही हांडी के लिए तीन से चार स्तरीय पिरामिड ही बनाएंगे और पूर्ण टीकाकरण करा चुके लोग ही कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। एक खबर में कुछ सदस्यों के हवाले से लिखा है कि अगर गणेश उत्सव को छोटे पैमाने पर आयोजित किया जा सकता है, तो दही हांडी कार्यक्रम के लिए सरकार को परमिशन देनी चाहिए। बीजेपी विधायक राम कदम ने कहा कि हमेशा की तरह इस साल भी हम दही हांडी का कार्यक्रम आयोजित करेंगे। लेकिन, कार्यक्रम में कितने लोग शामिल होंगे, ये हम सरकार द्वारा दी गई छूट के आधार पर ही फैसला करेंगे। बता दें कि कोरोना महामारी के चलते महाराष्ट्र में इस साल भी गणेशोत्सव का त्योहार लगातार दूसरे साल कड़े प्रतिबंधों के दायरे में मनाया जाएगा। राज्य सरकार ने कार्यक्रम को लेकर गाइडलाइन जारी की है, इसमें गणेश प्रतिमा की ऊंचाई के लिए भी मानक तय किया गया है।

राज्य सरकार ने अपनी गाइडलाइन में कहा है कि सार्वजनिक स्थानों पर लगाई जाने वाली प्रतिमाओं की ऊंचाई चार फीट से ज्यादा नहीं होगी। वहीं घर पर दो फीट से ज्यादा ऊंचाई की प्रतिमा नहीं स्थापित की जाएगी। आरती के लिए भीड़ लगाने की अनुमति नहीं होगी।

केंद्र और राज्य ढूढें समाधान

किसान आंदोलनः अनिश्चितकाल के लिए बंद नहीं की जा सकती सड़कें

नेशनल डेस्कः

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलनकारी किसानों के प्रदर्शन के चलते आवाजाही के लिए बंद की गसई सड़कों की समस्या का समाधान ढूंढे। अदालत ने यह निर्देश नोएडा के एक निवासी की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में नोएडा से दिल्ली का मार्ग खाली रखना सुनिश्चित करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता का कहना है कि नोएडा से दिल्ली को जोड़ने वाली सड़कें किसान आंदोलन की वजह से बंद हैं और इसकी वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन्हें तत्काल खोला जाना चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर अब तक सड़कें बंद क्यों हैं। प्रदर्शन करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन सड़कें बंद नहीं होनी चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा, 'किसानों को प्रदर्शन का अधिकार है लेकिन सड़कों को अनिश्चितकाल के लिए बंद नहीं किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, ' इसका समाधान केंद्र सरकार और संबंधित राज्य के हाथ में है। चाहे वजह कोई भी हो, सड़कों को ब्लॉक नहीं किया जा सकता है।' इसम मामले में केंद्र सरकार को समाधान ढूंढकर अदालत को रिपोर्ट करने को कहा गया है। यूपी सरकार ने मामले में अदालत को बताया है कि प्रदर्शनकारी किसानों से बात कर उन्हें सड़क खाली करने के लिए समझाने की कोशिश की जा रही है। यूपी सरकार ने कहा कि वो प्रदर्शनकारियों को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि उनका सड़क ब्लॉक करना सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है। नोएडा की निवासी मोनिका अग्रवाल ने अदालत में याचिका दाखिल कर कहा है कि सड़कों को खाली रखने के सुप्रीम कोर्ट के बार-बार के निर्देशों के बावजूद भी इसका पालन नहीं किया गया है। उनका कहना था कि सिंगल मदर और कई मेडिकल समस्याओं के साथ जूझने की वजह से उनके लिए नोएडा से दिल्ली आना एक बुरे सपने की तरह हो गया है। गौरतलब है कि पिछले 9 महीने से किसान 3 कृषि कानूनों को रद्द

करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली को हरियाणा से जोड़ने वाले सिंघु बॉर्डर, नोएडा-गाजियाबाद से जोड़ने वाले गाजीपुर बॉर्डर पर प्रदर्शनकारी किसान बैठे हैं। इस वजह से इन रास्तों पर पिछले कई महीनों से ट्रैफिक बाधित है।

संक्षिप्त समाचार

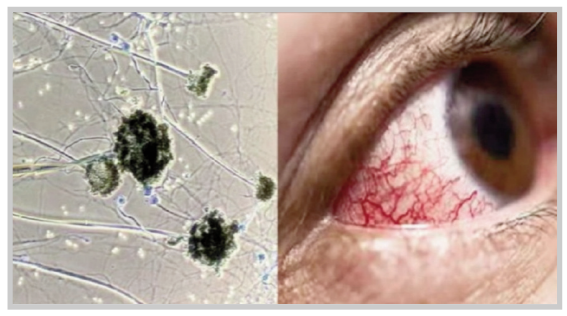

ब्लैक फंगस से पीड़ित मरीजों को मुफ्त इलाज देगी कर्नाटक सरकार

बेंगलुरु। कोरोना वायरस के बाद होने वाली बीमारियों में सबसे ज्यादा जीवन को प्रभावित करने वाला ब्लैक फंगस है जो कमजोर इम्यूनिटी वालों को अपना शिकार बनाता है और इसका इलाज भी काफी जटिल है। अब कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने अच्छा फैसला किया है, साथ ही घोषणा की कि राज्य सरकार अस्पतालों से छुट्टी मिलने के बाद भी ब्लैक फंगस रोग से पीड़ित व्यक्तियों का मुफ्त इलाज दिलाएगी। ब्लैक फंगस का इलाज काफी महंगा है गरीब तो इसके बारे में सोच भी नहीं सकता है। इसके उपचार में उपयोग होने वाले इंजेक्शन की कीमत 10,000 रुपये से 12,000 रु प्रति इंजेक्शन के बीच है। जो मरीजों को डिस्चार्ज होने के बाद चार हफ्ते तक घर पर ही इंजेक्शन लेना पड़ता है। सीएम बसवराज बोम्मई ने कहा कि परिवारों पर इस आर्थिक बोझ को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने ब्लैक फंगस के रोगियों के लिए सभी खर्च उठाने का फैसला किया है। जब तक वे पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते, सरकार सभी तरह का खर्चा उठाएगी। वहीं सीएम बसवराज बोम्मई ने तीसरी लहर को चिंता करते हुए भी अपनी राय रखी। तीसरी लहर में बच्चे ज्यादा प्रभावित होंगे। इसके मद्देनजर बोम्मई ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए शिविर लगाए जाएंगे। महिला एवं बाल कल्याण विभाग कुपोषित बच्चों को भोजन किट प्रदान करेगा। जो बच्चे बीमार हैं उन्हें जिला अस्पतालों में शिफ्ट किया जाएगा। कर्नाटक सरकार ने जिला अस्पतालों को बच्चों के लिए आईसीयू तैयार करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार विजयपुर में 40 वेंटिलेटर के साथ 120 बेड के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल को पूरा करने के लिए 22 करोड़ रुपये भी जारी करेगी साथ अन्य जगहों को चिन्हित करके आगे का काम किया जाएगा।

असम और उ.बंगाल में महसूस किए भूकंप के झटके, 4 रही तीव्रता

गुवाहाटी। असम में सोमवार की दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। एक आधिकारिक बुलेटिन में बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 रही। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप दोपहर 1.13 बजे आया। इसके केंद्र पश्चिमी असम के कोकराझर में 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के झटके उत्तरी बंगाल में भी महसूस किए गए।×ठुड्डह्याश्च;भूकंप के झटके महसूस होते ही पश्चिमी असम और उत्तरी बंगाल के लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। अभी तक किसी के मारे जाने या घायल होने की खबर नहीं है। संपत्ति को नुकसान की भी को रिपोर्ट नहीं आई है। उत्तर-पूर्व भूकंप संवेदनशील इलाका है, जिसके चलते यहां अक्सर धरती हिलती रहती है।

हुर्रियत पर लग सकता है प्रतिबंध

नई दिल्ली । केंद्र सरकार कश्मीर की ऑल पार्टी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के कट्टर और नरम दोनों धड़ों पर बैन लगाने पर विचार कर रही है। सवाल उठ रहे हैं कि अगस्त 2019 के बाद से हुर्रियत वैसे ही निष्क्रिय है, तो फिर इस कदम की जरूरत क्या है?मीडिया में आई खबरों में दावा किया जा रहा है कि हुर्रियत के दोनों धड़ों पर यूएपीए के तहत प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही है। इस तरह के प्रतिबंध लगाने के बाद सरकारी एजेंसियां ना सिर्फ इन दोनों धड़ों को मिलने वाली आर्थिक मदद रोक पांगी, बल्कि उन्हें इनके नेताओं और सदस्यों को गिरफ्तार करने में भी मदद मिलेगी। ऑल पार्टी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस का जन्म नौ मार्च 1993 को हुआ था। उस समय इसके बैनर तले कश्मीर के 26 राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठन साथ आए थे। इनका सभी संगठनों का उद्देश्य था कि कश्मीर को भारत से अलग करने की मांग को आगे बढ़ाया जाए। खत्म होता वर्चस्व दशकों तक हुर्रियत के कहने पर आम कश्मीरी कश्मीर को ले कर केंद्र की नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतर आते थे। इस तरह के प्रदर्शन कश्मीर में 2016 तक भी हुआ करते थे हालांकि बीते दो दशकों में हुर्रियत काफी कमजोर हुई है। 2003 में यह दो अलग अलग धड़ों में बंट गई और अभी तक बंटी हुई है। एक धड़े का नेतृत्व मिरवाइज उमर फारूक करते हैं, जिन्हें कश्मीरियों के सबसे बड़े आध्यात्मिक नेता के रूप में देखा जाता है। इस धड़े को मॉडरेट या नरम धड़े के रूप में जाना जाता है। मिरवाइज कश्मीरियों के अपना भविष्य खुद तय करने की अधिकार की मांग को लेकर दिल्ली से बातचीत करने का समर्थन करते हैं। दूसरे धड़े को हार्डलाइन या कट्टर धड़ा कहा जाता है। इसका नेतृत्व हाल तक सैय्यद अली शाह गिलानी करते थे। 2010 में उन्हें उनके ही घर में नजरबंद कर दिया गया था और तब से उनका अधिकांश जीवन नजरबंदी में ही बीता है।

बिहार में 11 चरणों में होने वाले पंचायत चुनाव के लिए 24 अगस्त को अधिसूचना संभव

-पंचायत चुनाव के लिए इस बार ईवीएम के साथ ही बैलेट बॉक्स का भी होगा इस्तेमाल

पटना। बिहार में 11 चरणों में होने वाले पंचायत चुनाव के लिए 24 अगस्त को अधिसूचना जारी हो सकती है। चुनाव के लिए सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई है। पंचायत चुनाव में बिहार में इस बार पहली दफा ईवीएम का इस्तेमाल होगा। राज्य निर्वाचन आयोग के मुताबिक त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में छह पदों, मुखिया, पंच, सरपंच, वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य के लिए मतदान होगा। इस बार ईवीएम के साथ ही बैलेट बॉक्स का भी इस्तेमाल होगा। कहा जा रहा है कि चार पदों मुखिया, वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य के चुनाव में इवीएम का इस्तेमाल किया जाएगा। सभी पदों के लिए अलग-अलग चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। इस चुनाव में पहले चरण के लिए 24 सितंबर को वोट डाले जाएंगे। अंतिम चरणों में बाढ प्रभावित इलाकों में मतदान कराया जाएगा। राज्य मंत्रिमंडल द्वारा पंचायत चुनाव के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार ने बताया, ÷24 सितंबर को पहले चरण का मतदान होगा। इसी प्रकार 29 सितंबर को दूसरे चरण का जबकि आठ अक्टूबर को तीसरे, 20 अक्टूबर को चौथे चरण का मतदान होगा। इसके अलावे 24 अक्टूबर को पांचवें, तीन नवंबर को छठे, 15 नवंबर को सातवें तथा 24 नवंबर को आठवें चरण का मतदान होगा। इसी तरह 29 नवंबर को नौवें चरण, आठ दिसंबर को दसवें और 12 दिसंबर को 11 वें तथ अंतिम चरण के मतदान कराए जाएंगें। उन्होंने बताया कि बाढ़ क्षेत्रों में अंतिम चरणों में मतदान होंगे। पंचायत चुनाव को लेकर अासिूचना 24 अगस्त को जारी होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

परेशान जनता और RTI activists

सुचना अधिकार अधिनियम-2005 में कार्यरथ अधिकारी/कर्मचारी में अनुभव के अभावग्रस्त होने से

गुजरात, भष्टाचार के खिलाफ़ एक हथियार बना RTI भष्टाचार भष्टाचारीयों के नाक में दम कर दिया हैं, हेरान-परेशान हुए. अधिकारी/कर्मचारी/नेता अपने किये गई. भष्टाचार के खिलाफ़ जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद भी नही देने पर निजी जानकारी, किसी केस का हवाला देकर उपलब्ध नही कराते हैं, साथ ही प्रथम अपील अधिकारी के हाथ भी इस भष्टाचार में दबाएँ होने से गोल-मटोल जवाब दे कर दुतीय अपील में अपील करने का हवाला देकर अपना कार्य पूरा करते हैं, बात रही जानकारी की कोई भी उपलब्ध कराते नही हैं, एक अंदाज के हिसाब से मार्ग-मकान,रेवन्यू, जैसा अनेक विभाग इस भष्टाचार में लाखों नही बल्कि करोड़ों का भष्टाचार कर अपना उल्लू सीधा कर रहे है,

क्रांति समय न्यूज & RTI Team

गुजरात राज्य आज भारत के सबसे समृद्ध शक्तिशाली, पारदर्शी, विकसित राज्यों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। जिसकी चर्चा आज देश विदेश में कई गणमान्य शीर्ष राजनीति के धुरंधर हमेशा करते हुए देखे जाते हैं। हकीकत में भी गुजरात का हवामान और समुद्र तट से घिरे होने से कपड़ा उद्योग, जरी उद्योग, हीरा उद्योग मील , फेक्ट्री वगैरह इसकी शान में कसीदे पढ़ती नजर आती है। गुजरात की धरती बड़े-बड़े उद्योगपतियों को आज भी भी जन्मभूमि है। गुजरात को धरती का यदि स्वर्ग कहा जाये फिर कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुजरात के उद्योगपतियों का वर्षों से देश ही नहीं लगभग विश्व के बड़े भागों पर किसी न किसी रूप में आज भी कब्जा है। आज भी यहां बड़े बड़े राजाओं का राजमहल है। गुजरात राज्य के विकास समृद्धि पारदर्शिता आज भी वेमिशाल है। सभी धर्मों का सम्मान यहां विश्वविख्यात है।

गुजरात राज्य में सबसे अधिक लोकप्रिय मार्ग और मकान विभाग यहां कई खंडों में बटा है। जिसमें राज्य और पंचायत दो प्रमुख भाग है। वैसे केन्द्र सरकार में भी इसी नाम से एक विभाग है। जिसका संचालन केन्द्र सरकार द्वारा किया जाता है। परंतु आज भारत सरकार के सर्वोच्च सर्वश्रेष्ठ, समृद्ध, विकसित, पारदर्शितापूर्ण राज्य गुजरात के सर्वोच्च विभागों में प्रिय मार्ग और मकान की है। गुजरात राज्य सरकार इस विभाग में विकास के लिए दिल खोलकर सभी योजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए फंड मुहैया करवाती है। परंतु कुछ वर्षों से इस विभाग में दीमक की तरह कुछ वायरस इसे खोखला करने में जुटे हैं। और जैसा कि आज एक अदृश्य वायरस ऋषि मुनियों का भारत ही नहीं लगभग विश्व में तबाही के कगार पर पहुंचा दिया है। उसी तरह ऐसे कई उदाहरण हैं जो सरकार को बदनाम करने में दिलचस्पी दिखाई है। जिसकी फरियाद लेकर सत्यता को समझने के लिए सूचना अधिकार अधिनियम के तहत सूचनाएं मांगी गई ।

और जैसा कि कुछ अदृश्य है धीमें धीमें अब एक एक करके बाहर

क्रांति समय न्यूज & RTI Team

सूचना अधिकार अधिनियम 2005 जैसा कि नियम से ही ज्ञात होता है कि आज यह 16 वे वर्ष में प्रवेश ही नहीं आधा वर्ष भी पूरा कर लिया है। इसके पहले वर्ष 2018 में ऐसे ही मामलों में एक सूचना आयुक्तने सुनवाई के दौरान खुद ही कहा था कि गुजरात राज्य में अभी तक सूचना अधिकार अधिनियम लागू नहीं हो पाया है। हालांकि उसे जिले के कलेक्टर श्री को पक्षकार बनाते हुए अपनी भड़ास निकाल कर हुक्म दे कर मामले से निकलने में जरूर कामयाब हो गए। आज जहां तक

जानकारी मिली है नवसारी, सुरत, वलसाड, तापी जैसे दक्षिण गुजरात जिसे गुजरात की आर्थिक राजधानी मानी जाती है। ऐसे जिलों के कई सूचना अधिकारी गणों को सिर्फ फाइलों में सूचना अधिकारी नियुक्त किया गया है। हालांकि हकीकत में न ही इन सबको इस सर्वोच्च नियम के बारे में न ही कोई तालीम दी गई है और न ही ए जानना चाहते हैं। अब जब जहां ऐसी हालत होगी वहां जवाब और नियमों की धज्जियां किस तरह उड़ाई जाती है इसके लिए फिलहाल शब्दकोश में शब्दों को ढूंढना समुद्र से मोती निकालने से कम नहीं होगा।

गुजरात में निष्क्रिय हुए 27 लाख से अधिक जन धन एकाउंट

(क्रांति समय न्यूज)

8 जुलाई 2021 तक गुजरात में 27 लाख से ज्यादा जन धन एकाउंट निष्क्रिय हो चुके हैं। हांलाकि इनके बंद होने के अलग अलग कारण हो सकते हैं। जन धन एकाउंट निष्क्रिय होने से संबंधित खाता धारक सरकारी सहायता से वंचित रह गए। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकों में निष्क्रिय हुए जन धन एकाउंट के बारे में एक रिपोर्ट जारी की है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक 28 जुलाई 2021 तक गुजरात में 1.57 करोड़ जन धन एकाउंट में से 27.8 लाख खाते निष्क्रिय हो चुके हैं, जो कुल एकाउंट की संख्या का 17 प्रतिशत है। जन धन एकाउंट निष्क्रिय होने की वजह से संबंधित खाता धारकों को सरकारी सहायता नहीं मिली। क्योंकि सरकार की ओर से विभिन्न आर्थिक सहायता सीधे जन धन एकाउंट में जमा कराई जाती है। लेकिन जन धन खातों के निष्क्रिय होने से खाता धारक सरकारी सहायता से वंचित रह गए। गुजरात में कोरोना की पहली लहर से लेकर दूसरी लहर के दौरान 9.65 लाख नए जन धन एकाउंट खोले गए थे। मार्च 2020 तक राज्य में जन धन खातों की संख्या 1.47 करोड़ थी, जो जुलाई 2021 तक बढ़ कर 1.57 करोड़ हो गई।

उसमें विभिन्न कारणों से 27.08 लाख जन धन खाते निष्क्रिय हो गए हैं। जानकारों के मुताबिक जन धन खाता निष्क्रिय होने के मुख्य तीन कारण है। पहला यदि किसी खाता धारक का आधार कार्ड खाते से लिंक नहीं होगा तो वह एकाउंट बैंक की ओर से बंद कर दिया जाता है।

दूसरा केवायसी नहीं होने की वजह से जन धन खाता बैंक कर देती है। तीसरा कारण है लंबे समय तक खाते में आर्थिक व्यवहार नहीं करने की वजह से बैंक एकाउंट बंद कर देती है।

भाई को राखी बांध कर लौट रही बहन दुर्घटना का शिकार, मौके पर मौत

(क्रांति समय न्यूज)

भावनगर,सिहोर के निकट ईको कार और मोटर साइकिल के बीच दुर्घटना में एक महिला की घटनास्थल पर मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब महिला अपने भाई को राखी बांध कर पति के साथ वापस घर लौट रही थी। इस घटना से हर्षोल्लास का पर्व मातम में बदल गया। जानकारी के मुताबिक भावनगर निवासी 55 वर्षीय देवुबेन नामक महिला अपने पति के साथ रंघोला गांव में भाई को राखी बांधने गई थी। जहां से देवुबेन अपने पति के साथ मोटर साइकिल पर घर लौट रही थी। रास्ते में सिहोर के भूतिया के निकट ईको कार ने मोटर साइकिल को उड़ा दिया। कार की टक्कर से देवुबेन अपने पति समेत सड़क पर जा गिरी। गंभीर चोट लगने की वजह से देवुबेन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल पति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गणेश उत्सव की मंजूरी नहीं मिलने से लोगों में आक्रोश, किया अनोखा विरोध

(क्रांति समय न्यूज)

सूरत,कोरोना महामारी के कारण पिछले साल उत्सवों पर लगी रोक इस वर्ष भी जारी है। लेकिन राजनीतिक उत्सव बगैर किसी रोक टोक के जारी हैं। सरकार की इस दोहरी नीति को लेकर लोगों में आक्रोश है। भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा का राज्यभर में आयोजन किया जा रहा है, जिसमें केन्द्र सरकार के मंत्री समेत नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जमा हो रहे हैं। लेकिन गणेश उत्सव की मंजूरी मांगने पर कोविड गाइडलाइन्स का बहान कर मंजूरी देने से इंकार कर दिया जाता है। लोगों का सवाल है कि जब आर्शीवाद लेने वाले निकल सकते हैं, आर्शीवाद देने वाले पर रोक क्यों? सूरत में जहां गणेश उत्सव की मंजूरी नहीं मिली है, वहां लोगों ने सरकार की दोहरी नीति के खिलाफ बैनर लगाकर आक्रोश व्यक्त किया है। बैनर लिखा है ''आर्शीवाद लेने वालों की यात्रा निकल सकती है तो आर्शीवाद देने वाले गणेशजी की यात्रा क्यों नहीं निकल सकती।'' बैनर में यह भी लिखा है कि ''गणेश उत्सव और नवरात्रि उत्सव नहीं तो वोट नहीं।'' लोगों का कहना है कि अपने प्रचार प्रसार के लिए नियमों का ताक रखने वाली सरकार सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाती हैं। ऐसी दोहरी नीति बर्दाश्त नहीं की जा सकती। जन आर्शीवाद यात्रा के दौरान नेता और कार्यकर्ता नियमों का पालन नहीं करते और पुलिस मूक दर्शक बनकर तमाशा देखती है। लेकिन सामान्य नागरिक को पुलिस नहीं बख्शती। मार्च महीने में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में भी भाजपा ने कोविड नियमों की धज्जियां उड़ाई थीं। लेकिन शादी या मृत्यु प्रसंग में 50 लोगों से अधिक लोगों को एकत्र नहीं होने दिया।

नवसारी में पशुओं को खुला छोड़ देने वाले पशुपालकों के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार नगर पालिका को मिलेगा

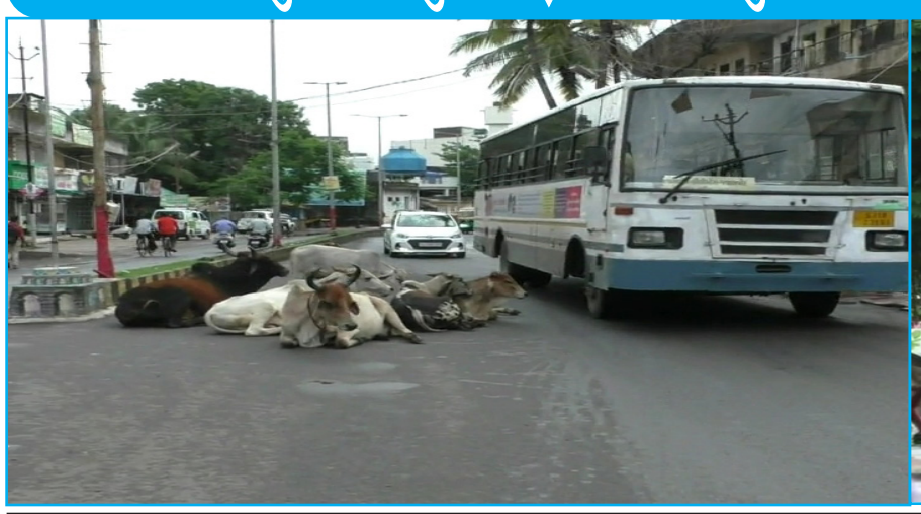

लोगो ने बना मजाक रस्ते में पशुओं को लड़ते हुए देखने पर

(क्रांति समय न्यूज)

नवसारी,रस्ते में पशुओं को लड़ते हुए देखने पर लोगो ने BJP-CON-AAP की लड़ाई हो रही इस तरह की कोमेंट पास करते हुए आने-जाने वाले को आम जनता को परेशान कर रहे राजनेताओं, के साथ कार्यकर्ताओं को भी इस तरह से सरकारी कार्य में हस्तक्षेप कर रहे लोगो पर अपने-अपने पक्ष का कार्यालय बना दे रहे है इस तरह की बातें कर समय प्रसार कर रहे थे. और साथ-साथ प्रशासन के कार्य की मजाक बना कर गाँधी जी के बताएँ मार्ग पर अपना कार्य कर रहे हैं?

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)